Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
Published from Ranchi

सुविचार
प्रेम एक ऐसा अनुभव है जिसे मनुष्य कभी नहीं देखता है और घृणा एक ऐसा अनुभव है जिसे मनुष्य कभी जीत नहीं पाता है।

08
आर्या के तीसरे सीजन की शूटिंग जयपुर में...

Ranchi ● Saturday, 29 April 2023 ● Year : 01 ● Issue : 103 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com E-Paper : epaper.thephotonnews.com

SHARE

सेंसेक्स	:	61,112.44
निफ्टी	:	18,065.00

SARAFA

सोना	:	5,720
चांदी	:	80.70

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

देश में कोरोना के 7,533 नए मरीज, 28 की मौत

NEW DELHI : देश में पिछले 24 घंटे के दौरान कोरोना के 7,533 नए मरीज सामने आए हैं। इस अवधि में कोरोना वायरस से संक्रमित 28 मरीजों की मौत हो गई। वहीं 11,047 मरीज स्वस्थ हुए। अब तक 4,43,47,024 मरीज स्वस्थ हो चुके हैं और रिकवरी रेट 98.69 प्रतिशत है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के शुक्रवार को जारी आंकड़े के अनुसार देश में कोरोना के एक्टिव मरीजों की संख्या बढ़कर 53,852 हो गई है, जबकि दैनिक संक्रमण दर 3.62 प्रतिशत है। टीकाकरण की बात करें तो पिछले 24 घंटे में 4,775 खुराक दी गई है। वहीं, देश में अबतक कोरोना से बचाव के टीके की 220.66 करोड़ खुराक दी जा चुकी है। पिछले 24 घंटे में 2,08,112 लोगों की जांच की गई। अबतक कुल 92.63 करोड़ लोगों की जांच की जा चुकी है।

भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे सीबीआई कोर्ट के स्पेशल जज निलंबित

CHANDIGARH : पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने गुरुवार शाम सीबीआई कोर्ट के स्पेशल जज सुधीर परमार को निलंबित कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट से अनुमति लेने के बाद हाई कोर्ट ने यह फैसला किया है। हाई कोर्ट ने गुरुग्राम के एडिशनल सेशन जज राजीव गोयल को सीबीआई का नया विशेष जज नियुक्त किया है। हाल ही में एसीबी की टीम ने सुधीर परमार के घर व आफिस में छापेमारी की थी। तब यह मामला दब गया था और सामने नहीं आ सका था, लेकिन हाई कोर्ट ने इस पर कड़ा संज्ञान लिया और सुधीर परमार के निलंबन की कार्रवाई की। सीबीआई की पंचकूला स्थित अदालत के विशेष जज सुधीर परमार भ्रष्टाचार के मामले में हरियाणा एंटी करप्शन ब्यूरो के निशाने पर थे। एंटी करप्शन ब्यूरो के अधिकारियों ने विशेष जज के घर पर काफी तहकीकात की। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दाखिल करते हुए अपील की थी कि उन्हें माननीयों पर लंबित मामलों का निपटारा करने के लिए बनाई गई विशेष सीबीआई अदालत के जज सुधीर परमार का तबादला करने की अनुमति दी जाए।

दुमका में 11 साल की बालिका से दुष्कर्म के दोषी को उम्रकैद

DUMKA : प्रथम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश रमेश चंद्रा की अदालत ने शुक्रवार को तीन साल पहले जामा में रामगढ़ की 11 साल की बालिका से दुष्कर्म करने वाले सपना कोल को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास व बीस हजार रुपये जुमार्ना की सजा सुनाई। जुमार्ना की राशि जमा नहीं करने पर अभियुक्त को छह माह की अतिरिक्त सजा काटनी होगी। रामगढ़ प्रखंड के एक गांव की रहने वाली बालिका 21 जून, 2020 को जामा में रहने वाले बड़े चाचा के घर आई थी। 26 जून की शाम घर के सदस्य गांव में किसी के घर गए थे। लड़की घर में अकेली थी। इसी बीच पड़ोस का सपन कोल घर में घुस आया और बालिका से गंदा काम करने का प्रयास किया। शोर मचाने पर आरोपी ने जान मारने के साथ खानदान को समाप्त करने की धमकी दी। धमकी की वजह से बालिका चाहकर भी विरोध नहीं कर सकी।

PM MODI ने 91 FM STATION शुरू किए : 18 राज्यों में दो करोड़ लोगों तक पहुंच बढ़ी, कहा- मैं लिसनर और होस्ट दोनों हूं

AGENCY NEW DELHI

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को देश में रेडियो कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए 100 वाट कैपेसिटी के 91 एफएम रेडियो स्टेशनों का उद्घाटन किया। 18 राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों के 84 जिलों में इन एफएम रेडियो स्टेशनों का उद्घाटन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए किया गया। जिसमें झारखंड के तीन जिलें लोहरदगा, साहिबगंज जिले के बरहरवा और गोड्डा शामिल हैं। उद्घाटन के दौरान पीएम मोदी ने कहा कि जब बात रेडियो और एफएम की होती है, तो इससे मेरा रिश्ता एक श्रोता का भी है, और एक होस्ट का भी है। उन्होंने कहा- मैं लिसनर और होस्ट दोनों हूं प्रधानमंत्री ने कहा कि इंटरनेट से रेडियो सेवाओं का विस्तार बढ़ा है। डिजिटल इंडिया ने रेडियो को नए श्रोता और नई सोच प्रदान की है। लोग आज पॉडकास्ट और एफएम से रेडियो का डिजिटल रूप में लाभ उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार सांस्कृतिक और बौद्धिक जुड़ाव को भी मजबूत कर रही है। पिछले 9 वर्षों में हमने पद्म अवार्ड, साहित्य और कला अवार्ड के द्वारा देश के अलग-अलग हिस्सों के असली हीरो को सम्मानित किया है।

रेडियो कनेक्टिविटी 35,000 वर्ग किमी बढ़ेगी : ये रेडियो स्टेशन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के उन इलाकों में शुरू किए गए हैं, जहां से इनके लिए मांग की गई थी। वहीं, बॉर्डर से सटे कुछ इलाकों में भी कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए ये ट्रांसमीटर्स लगाए गए हैं। इन एफएम ट्रांसमीटर्स के जरिए दो करोड़ लोगों तक पहुंच होगी। इनके शुरू होने से देश में एफएम कनेक्टिविटी का दायरा 35,000 वर्ग किमी बढ़ गया है।

इन राज्यों में शुरू हुए रेडियो स्टेशन : जानकारी के मुताबिक 91 एफएम रेडियो स्टेशन बिहार, झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, असम, मेघालय, नगालैंड, हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, आंध्र प्रदेश, केरल, तेलंगाना, छत्तीसगढ़, गुजरात, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, लद्दाख के अलावा अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में शुरू हो गए हैं।

एफएम रेडियो स्टेशनों का उद्घाटन करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ● एजेंसी

क्या है FM TRANSMITTER

एफएम ट्रांसमीटर एक पोर्टेबल ऑडियो डिवाइस से एक स्टैंडर्ड एफएम रेडियो पर एक सिगनल टेलीकास्ट करता है। एफएम ट्रांसमीटरों का इस्तेमाल आमतौर पर कार रेडियो पर पोर्टेबल ऑडियो डिवाइस चलाने के लिए किया जाता है जिसमें ऑक्स इनपुट जैक या ब्लूटूथ ऑडियो कनेक्टिविटी नहीं होती है। उनका उपयोग एक घर के आसपास एक कंप्यूटर या टेलीविजन जैसे स्टेबल ऑडियो सोर्स को टेलीकास्ट करने के लिए भी किया जाता है।

झारखंड के बरहरवा, गोड्डा और लोहरदगा को भी मिली FM RADIO STATION की सौगात

बरहरवा, गोड्डा और लोहरदगा में प्रसार भारती आकाशवाणी एफएम ट्रांसमीटर का लोकार्पण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा ऑनलाइन किया गया। इस मौके पर ट्रांसमीटर सेंटर में राज्य के वित्त मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव, डीसी डॉ। बाघमारे प्रसाद कृष्ण, अनुमंडल पदाधिकारी अरविंद कुमार लाल सहित अन्य प्रशासनिक अधिकार अधिकारी मौजूद थे। इस मौके पर वित्त मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव ने कहा कि रेडियो हमेशा से लोगों के सूचना का एक बेहतर माध्यम रहा है।

वित्त मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव ने कहा- गर्व की बात है

वित्त मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव ने कहा कि मैं बचपन में रेडियो बराबर लेकर घूमता रहता था और आज भी रेडियो का महत्त्व कम नहीं हुआ है। हमारे विधानसभा क्षेत्र में माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा एफ एम ट्रांसमीटर का उद्घाटन किया जाना निश्चित रूप से गर्व की बात है। और इसका लाभ हमारे सुदूरवर्ती ग्रामीण इलाकों में रहने वाले लोगों को मिलेगा। लोग सूचनाएं सुनेंगे मौसम की जानकारी लेंगे सरकारी योजनाओं की जानकारी उन्हें मिलेगी। लोग विकास के पथ पर अग्रसर होंगे।

इस मौके पर लोहरदगा डीसी डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण ने कहा कि एफएम ट्रांसमीटर का शुभारंभ होना निश्चित रूप से विकास की गति को बढ़ाने वाला साबित होगा। आने वाले समय में इसका सार्थक परिणाम सामने आएगा। मौके पर पद्मश्री मधु मनसूख मंसूरी सहित क्षेत्र के कलाकार एवं गणमान्य लोग मौजूद थे। इस अवसर पर ग्रामीण इलाकों से भी बड़ी संख्या में लोग लोहरदगा ट्रांसमीटर सेंटर समारोह स्थल में पहुंचे थे।

गोड्डा में आयोजित समारोह में गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे ने एफएम रेडियो की सौगात देने के लिए प्रधानमंत्री मोदी और सूचना प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर का धन्यवाद दिया। साथ ही कहा कि वे लगातार एफएम के लिए प्रयासरत थे। प्रसार भारती का पहले से ही गोड्डा में कार्यालय है। इसी में अब 103.6 मीटर फ्रीक्वेंसी पर एफएम गोड्डा जिला मुख्यालय से 20 किमी की दूरी तक सुनाई देगा। कार्यक्रम दिल्ली से प्रसारित होंगे। लोग विविध भारती और संगीत के अलावा समाचार भी एफएम पर सुन पाएंगे।

AIR AMBULANCE शुरू

जो पैसे नहीं दे सकते उनका खर्च राज्य सरकार उठायेगी : हेमंत सोरेन

BUREAU CHIEF RANCHI : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शुक्रवार को रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर एयर एम्बुलेंस सेवा का शुभारंभ किया। मौके पर लोगों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आज स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक और कड़ी जुड़ गई है। सरकार का प्रयास है कि सबके लिए स्वास्थ्य सेवा बराबर होनी चाहिए। अगर किसी को इलाज की जरूरत है, वह पैसे नहीं दे सकता तो सरकार एयर एम्बुलेंस का खर्च उठायेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि कई बार ऐसा होता है कि मरीज की स्थिति काफी खराब हो जाती है और अस्पताल ले जाते वक्त वह दम तोड़ देता है। सरकार ने यह सुविधा इसलिए शुरू की है कि मरीज या दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल लोगों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया जा सके। उन्होंने कहा कि कितने ही जवानों को एयरलिफ्ट कर अस्पताल पहुंचाया गया। आज वो जवान अपनी ड्यूटी पर तैनात हैं।

इस मौके पर मंत्री बादल पत्रलेख, विधायक इरफान अंसारी के अलावा विनय चौबे, अरुण कुमार, सुखदेव सिंह समेत विभाग के कई पदाधिकारी मौजूद थे।

रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर एयर एम्बुलेंस सेवा के उद्घाटन समारोह में सीएम हेमंत सोरन, बन्ना गुप्ता, बादल पत्रलेख व अन्य ● फोटोन न्यूज

कहां के लिए किस दर पर मिलेगी सेवा

- दिल्ली – पांच लाख
- मुंबई – सात लाख
- चेन्नई – आठ लाख
- कोलकाता – तीन लाख
- हैदराबाद – सात लाख
- बनारस – 3.30 लाख
- लखनऊ – पांच लाख
- तिरुपति – आठ लाख

ऐसे कर सकते हैं एंबुलेंस की बुकिंग

अगर आप एयर एम्बुलेंस की इस सुविधा का उपयोग करना चाहते हैं तो आप 8210594073, 06514665515 पर फोन कर सकते हैं साथ हैं। रांची के अलावा धनबाद, दुमका, देवघर, बोकारो, जमशेदपुर और गिरिडीह से यह सेवा मिलेगी। कंफर्म करने पर दो घंटे के भीतर एयर एंबुलेंस आपके लिए उड़ान भरने को तैयार रहेगा। इस सेवा में अच्छी बात यह है कि री-शेड्यूल करने की भी सुविधा मिलेगी।

स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में एक और कड़ी जुड़ी : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक और कड़ी जुड़ गई है। उन्होंने कि आजतक स्वास्थ्य सेवा पर कई टीका टिप्पणी की गई लेकिन हमने यहां की विभिन्नता में भी स्वास्थ्य सेवाएं बहाल की है। आज झारखंड की सड़कों पर सैकड़ों एम्बुलेंस दौड़ती है, जिन पहाड़ी क्षेत्रों में एम्बुलेंस नहीं जा पाता वहां हमने बाइक एंबुलेंस की शुरूआत की है और एयर एंबुलेंस की शुरूआत हुई है। रिम्स को लेकर अखबारों में कई खबरें छपती रहती है। हाई कोर्ट की तरफ से भी टिप्पणी की जाती है लेकिन आज रिम्स में अत्याधुनिक सुविधाओं वाले मशीन लगाएं गए हैं। हमारे सामने बहुत चुनौतियां है। इससे लड़ने की जरूरत है। इसकी शुरूआत की घोषणा होते साथ लोगों के बीच उत्सुकता है। 200 से 250 लोग अबतक दिए गए नंबर पर लोग संपर्क कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि धनबाद, दुमका, गढ़वा व गिरिडीह में एयरपोर्ट है और वहां ट्रायल भी हो चुका है। वहां रनवे बनाने का भी निर्देश दिया चुका है।

सड़क के किनारे बनेंगे हैलीपैड

हेमंत सोरेन ने कहा, राज्य में सभी के लिए एक समान सुविधा हो। अगर कोई इस खर्च का वहन नहीं कर सकता तो सरकार उनकी मदद करेगी। कई लोग ट्रेन से भी जाते हैं लेकिन कई बार समय का अभाव होता है। यह एयर एम्बुलेंस उस समय की बचत करेगा। इस राज्य में कभी भी कहीं आपात स्थिति होती है तो उस समय इसका इस्तेमाल हो सकता है। सड़कों पर कई दुर्घटना होती है। सड़क मार्ग से लाने में कई बार लोगों को परेशानी होती है। कई लोग रास्ते में ही दम तोड़ देते हैं। जगह- जगह सड़क के किनारे हैलीपैड बने और आपात स्थिति में उन्हें तुरंत शहर के अस्पताल लाया जा सके यह भी कोशिश है।

SUPREME COURT का सभी राज्यों को निर्देश, कहा- देरी हुई तो इसे कंटेम्प्ट ऑफ कोर्ट माना जाएगा

हेट स्पीच में बिना शिकायत FIR दर्ज करें

AGENCY NEW DELHI

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को हेट स्पीच के मामलों में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को तत्काल एक्शन लेने का निर्देश दिया। कोर्ट ने कहा कि जब भी कोई नफरत फैलाने वाला भाषण देता है तो सरकारें बिना किसी शिकायत के एफआईआर दर्ज करें। हेट स्पीच से जुड़े मामलों में केस दर्ज करने में देरी होने पर इसे अदालत की अवमानना माना जाएगा। मामले में अगली सुनवाई 12 मई को होगी।

कोर्ट ने कहा- ऐसे मामलों में कार्रवाई करते हुए बयान देने वाले के धर्म की परवाह नहीं करनी चाहिए। इसी तरह धर्मनिरपेक्ष देश की अवधारणा को जिंदा रखा जा सकता है। कोर्ट ने अपने 2022 के

आदेश का दायरा बढ़ाते हुए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को यह निर्देश दिए हैं। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने सिर्फ यूपी, दिल्ली और उत्तराखंड सरकार को ये आदेश दिया था।

इससे पहले मार्च 2023 में सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई में कहा था कि 'हर रोज टीवी और सार्वजनिक मंचों पर नफरत फैलाने वाले बयान दिए जा रहे हैं। क्या ऐसे लोग खुद को कंट्रोल नहीं कर सकते?

जिस दिन राजनीति और धर्म अलग हो जाएंगे। नेता राजनीति में धर्म का उपयोग करना बंद कर देंगे। उसी दिन नफरत फैलाने वाले भाषण भी बंद हो जाएंगे। हम अपने हालिया फैसलों में भी कह चुके हैं कि पॉलिटिक्स को राजनीति के साथ मिलाना लोकतंत्र के लिए खतरनाक है।'

वहीं, जस्टिस बीवी नागरत्ना ने पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और अटल बिहारी वाजपेयी की मिसाल देते हुए कहा था, 'वाजपेयी और नेहरू को याद कीजिए, जिन्हें सुनने के लिए लोग दूर-दराज से इकट्?ठा होते थे। हम कहां जा रहे हैं?

धर्म के नाम पर हम कहां पहुंच गए : SC

अदालत ने कहा कि हेट स्पीच एक गंभीर अपराध है, जो देश के धर्मनिरपेक्ष ताने-बाने को प्रभावित कर सकता है। जस्टिस केएम जोसेफ और बीवी नागरत्ना की बेंच ने मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि हम धर्म के नाम पर कहां पहुंच गए हैं? यह दुखद है। न्यायाधीश गैर-राजनीतिक हैं और उन्हें पार्टी ए या पार्टी बी से कोई सरोकार नहीं है और उनके दिमाग में केवल भारत का संविधान है। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट देश के विभिन्न हिस्सों से दाखिल हेट स्पीच से जुड़ी कई याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है। पहले पत्रकार शाहीन अब्दुल्ला ने कोर्ट में याचिका दाखिल कर नफरत फैलाने वाले बयान देने वालों के खिलाफ केस दर्ज करने की मांग की थी। इस पर कोर्ट ने 21 अक्टूबर 2022 को दिल्ली, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड की सरकारों को ऐसे मामलों में बिना शिकायत के केस दर्ज करने का निर्देश दिया था। कोर्ट ने आज अपने आदेश का दायरा बढ़ा दिया है।

कोल्हान के जंगल में फटा आईईडी, महिला की मौत

PHOTON NEWS CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के कोल्हान जंगल के इलाके में आईईडी की चपेट में आने से एक और ग्रामीण महिला की मौत हो गयी है। महिला की पहचान गांगी सुरीन रूप में हुई। घटना शुक्रवार सुबह घटी जब महिला जलावन के लिए सूखी लकड़ी चुनने जंगल की तरफ गयी थी। इस इलाके में नक्सलियों ने जंगल के रास्ते पर कई आईईडी बम बिछा रखे हैं। लकड़ी चुनने जा रही वृद्ध महिला पाताहातु गाँव की बतायी जा रही है। घटना गोईलकेरा थाना क्षेत्र के जाहेरगड़ा के पास जंगल के रास्ते में हुई। पुलिस ने विस्फोट के घटना की पुष्टि की है। पुलिस इस पूरे इलाके में अब सर्च अभियान चला रही है। इन रास्तों पर बिछे आईईडी बम की चपेट में कोई दूसरा ग्रामीण ना आए इसकी भी कोशिश की जा रही है। कोल्हान जंगल के कई गांव के घरों के 100 मीटर के दायरे में आईईडी बिछी है ऐसे में उनका घर से बाहर निकलना, जंगल में रहते हुए जलावन के लिए सूखी लकड़ी चुनना मुश्किल हो रहा है। गोईलकेरा थानाक्षेत्र के कई ऐसे गांव हैं जो इन आईईडी बम की चपेट में आ रहे हैं। पिछले पांच महीनों में कोल्हान इलाके में छह ग्रामीणों की मौत हो गयी । यह मौत सामान्य नहीं है। यह उस जंग का हिस्सा है, जो माओवादी और सुरक्षा बलों के बीच जारी है। छह ग्रामीण माओवादियों के लगाए आईईडी बम की चपेट में आने से मारे गये। आईईडी की चपेट में आने से 18 से ज्यादा सुरक्षा बल के जवान भी घायल हुए थे।

ODISA में 30 हजार से ज्यादा आदिवासी बच्चे-बच्चियों से मिले मुख्यमंत्री हेमंत

केआईआईटी यूनिवर्सिटी के आमंत्रण पर आयोजित समारोह में हुए शामिल

PHOTON NEWS RANCHI

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि सभी की सोच से अलग कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी और इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस के फाउंडर डॉ. अच्युत सामंता ने हजारों गरीब और आदिवासी बच्चों को निःशुल्क शिक्षा देने का काम किया है, उनका यह प्रयास सराहनीय है। हमारे राज्य में भी सामंता आएं और नौनिहालों को मार्गदर्शन दें।

उन्होंने कहा कि यहां के आदिवासी बच्चों के लिए कैसे विकास की पटरी पर चलने का मार्ग प्रशस्त किया जा सकता है, इस पर हम मिलकर कार्य करें। यहां आने वाली पीढ़ी बैठी है। अपना उज्जवल भविष्य पकड़ने के लिए। किसी भी समाज का विकास तभी संभव है। जब वह पढ़-लिखकर अपने परिवार और समाज तक शिक्षा का विस्तार कर सके। इसके लिए कार्य करना होगा।

मुख्यमंत्री शुक्रवार को उड़ीसा की राजधानी भुवनेश्वर स्थित कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी और इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस के समारोह में बच्चों को संबोधित कर रहे थे।

ओडिशा में आदिवासी बच्चे-बच्चियों के साथ मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन। ● द फोटोन न्यूज

उन्होंने कहा शिक्षा के क्षेत्र में हम कैसे बेहतर कर सकें। यह जानने और हजारों की संख्या में बैठे बच्चों से सीखने आज मैं यहां आया हूं। इसके साथ अच्छी चीजों को अपनाना चाहिए। आज संस्था के लिए कुछ तो मैं ला नहीं सका लेकिन मैं अपने एक माह का वेतन इस संस्थान को दूंगा।

आदिवासी बच्चे विदेशों में उच्च शिक्षा ले रहे

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज यह मंच हमें बहुत कुछ सोचने पर विवश करता है। बड़ी मुश्किल से आदिवासी समाज से आने वाला एक आदिवासी राज्य के सिर्फ पद पर पहुंचता है। 2019 दिसंबर से राज्य के विकास के लिए कार्य करने का अवसर मिला लेकिन कोरोना संक्रमण काल में विकास की गति को कुछ समय के लिए रोक दिया। इसके बाद जब जीवन सामान्य हुआ तो झारखंड के आदिवासी क्षेत्रों में काम करने का मौका मिला। कई चीजों को हम लोगों ने बड़ी तेजी से आगे बढ़ाया है।

सोरेन ने कहा कि देश में झारखंड पहला राज्य है, जहां आदिवासी के बच्चों को विदेशों में उच्च शिक्षा के लिए शत-प्रतिशत स्कॉलरशिप प्रदान किया जाता है। मन में तसल्ली होती है कि जो समाज स्कूल से शिक्षा पाने के लिए तरसता है। उसे विदेशों में उच्च शिक्षा मिल रही है। राज्य के बच्चों को प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी में आने वाले खर्च का वहन राज्य सरकार करेगी, इससे संबंधित कानून भी सरकार ने बनाया है।

झारखंड में नई यात्रा की शुरूआत होगी

मुख्य सचिव सुखदेव सिंह ने कहा कि भुवनेश्वर के इस यूनिवर्सिटी का नाम हम लोग वर्षों से सुनते आए थे। हमें लगता था कि यह संस्थान छोटे से जगह में बच्चों को शिक्षा दे रहे होंगे लेकिन यहां आकर पता चला। यह तो साम्राज्य है। उन्होंने इस यूनिवर्सिटी की स्थापना की उस पर जरूर भगवान की कृपा रही होगी। मुख्यमंत्री का काफी प्रयास है कि इस तरह की संस्थान का निर्माण झारखंड में भी हो। इसके लिए हम आपके बीच आए हैं। मुझे उम्मीद है कि उनकी यात्रा एक नई दुनिया की शुरूआत झारखंड में होगी।

सबसे बड़ा आदिवासी संस्थान

उल्लेखनीय है कि इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस पूरे विश्व में सबसे बड़ा आदिवासी संस्थान है, जिसे 1992-93 में डॉ अच्युत सामंता ने शुरू किया था। इस संस्थान में देशभर के वंचित आदिवासी वर्ग के बच्चों को शिक्षा देने के साथ रोजगारपरक बनाया जाता है। वर्तमान में यहां करीब 40 हजार आदिवासी बच्चों को प्राथमिक से लेकर उच्च शिक्षा निःशुल्क दी जा रही है, जिसमें अधिकतर बालिकाएं शिक्षा ग्रहण करती हैं।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री के सचिव विनय कुमार चौबे, मुख्यमंत्री की पत्नी कल्पना सोरेन, केआईआईटी और केआईएसएस यूनिवर्सिटी के फाउंडर डॉ अच्युत सामंता, मुख्यमंत्री के प्रधान आप्त सचिव सुनील कुमार श्रीवास्तव एवं अन्य उपस्थित थे।

BRIEF NEWS

आचार संहिता उल्लंघन मामले में केंद्रीय राज्य मंत्री को जुर्माना

HAZARIBAG : हजारीबाग, 28 अप्रैल (हि.स.)। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में आचार संहिता उल्लंघन मामले में सुनवाई करते हुए कोर्ट ने केंद्रीय राज्य मंत्री और सांसद अन्नपूर्णा देवी को 200 रुपये का जुमार्ना लगाया है। यह सजा हजारीबाग की निचली अदालत मरियम हेंब्रम की कोर्ट ने सुनाया है। कोर्ट ने आचार उल्लंघन मामले सांसद को दोषी ठहराने के बाद यह निर्णय लिया। जुमार्ना नहीं देने पर एक दिन की सजा काटनी होगी। सजा के बिंदुओं पर केंद्रीय मंत्री सुबह करीब आठ बजे कोर्ट गई थी। दिन के 11 बजे कोर्ट ने सुनवाई की। सांसद पर कोडरमा सदर प्रखंड में चुनाव के दौरान आचार संहिता उल्लंघन करने की प्राथमिकी अंचल अधिकारी ने दर्ज कराया था। आरोप था की अन्नपूर्णा देवी ने मतदान केंद्र पर पार्टी का गले में पट्टा लगाकर पहुंची थीं।

मेदिनीनगर में कांग्रेस का जय भारत सत्याग्रह

PALAMU : जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में शुक्रवार को पुरबडीहा पंचायत में जय भारत सत्याग्रह का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष सुनील दुबे ने की जबकि संचालन बली सिंह ने किया। मौके पर जिला अध्यक्ष बिट्टू पाठक, जिला उपाध्यक्ष कृष्णमणि दुबे विद्या सिंह चेरो समेत कई पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

30 अप्रैल को निकलेगा आजसू का सामाजिक न्याय मार्च

बैठक करते आजसू कार्यकर्ता। ● द फोटोन न्यूज

RAMGARH : झारखंड की नियोजन नीति और बेरोजगारी के मुद्दे पर आजसू का आंदोलन लगातार जारी है। 30 अप्रैल को आजसू सामाजिक न्याय मार्च भी निकालेगा। इस न्याय मार्च के दौरान झारखंड के युवाओं के भविष्य को अधर में लटकाने वाली सरकार से सवाल भी किया जाएगा। इस बात की जानकारी शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान आजसू नेता रोशन लाल चौधरी ने दी। चौधरी ने कहा कि आजसू पार्टी के द्वारा राज्य में खतियान आधारित नियोजन नीति लागू करने, सरना धर्म कोड लागू करने, बेरोजगारों को रोजगार देने, संसाधनों की लूट को बंद करने, आंदोलनकारियों को सम्मान देने, पूर्व मे जो जातियां अनुसूचित जनजाति की सूची में शामिल थी उसे पुनः अनुसूचित जनजाति की श्रेणी से जोड़ने संबंधी मांगों को लेकर आगामी 30 अप्रैल को प्रदर्शन होगा। केंद्रीय सचिव विजय कुमार साहू ने झारखंड सरकार से अविलंब ट्रिपल टेस्ट करवाकर सूबे में निकाय चुनाव कराने की मांग की। वहीं रामगढ़ जिला अध्यक्ष दिलीप दांगी ने कहा कि रामगढ़ जिला के सभी अनुषांगिक इकाइयों के पदाधिकारियों को सामाजिक न्याय मार्च संबंधी जरुरी निर्देश दिए गए हैं। रामगढ़ के सभी प्रखंडों से आजसू कार्यकर्ता 30 अप्रैल को रांची कूच करेंगे।

संबलपुर हिंसा पर भाजपा ने चार सदस्यीय जांच समिति बनाई

NEW DELHI : हनुमान जयंती जुलूस के दौरान ओडिशा के संबलपुर में हुई हिंसा पर भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने दुख जताया है। इसके साथ ही इस घटना की जांच के लिए उन्होंने चार सदस्यीय समिति का गठन किया है। इस समिति में उत्तर प्रदेश से राज्यसभा सांसद ब्रजलाल, झारखंड से राज्यसभा सांसद समीर ओरांव, झारखंड से ही सांसद आदित्य साहू और पश्चिम बंगाल से सांसद ज्योर्तिमय सिंह महतो शामिल हैं। यह जांच दल घटना स्थल का दौरा करेगा और घटना की रिपोर्ट राष्ट्रीय अध्यक्ष को सौंपेगा। उल्लेखनीय है कि ओडिशा के संबलपुर में हनुमान जयंती के उपलक्ष्य में निकाली गई एक मोटरसाइकिल रैली के दौरान दो समुदायों के बीच झड़प हुई थी। उसके बाद इलाके में तनाव बढ़ गया था और दंगे की स्थिति पैदा हो गई थी। हिंसा में शामिल उपद्रवियों ने कई वाहनों और दुकानों में आग लगा दी थी। झड़प के दौरान पथराव में कई लोग घायल भी हुए थे। 14 अप्रैल को हनुमान जयंती वाले दिन संबलपुर में दोबारा भड़की हिंसा में एक आदिवासी युवक की मौत हो गई थी। उसके बाद संबलपुर में कर्फ्यू लगाना पड़ा था।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने की राष्ट्रपति से मुलाकात

राष्ट्रपति से मुलाकात करते मुख्यमंत्री एमके स्टालिन। ● द फोटोन न्यूज

NEW DELHI : तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने शुक्रवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। राष्ट्रपति भवन की ओर से इस बाबत तस्वीर जारी कर बताया गया कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री थिरु एमके स्टालिन ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की है। साथ ही उन्हें किंग इंस्टीट्यूट ऑफ प्रिवेंटिव मेडिसिन, गुइंडी के परिसर में नए मल्टी-स्पेशियलिटी अस्पताल के उद्घाटन के लिए राष्ट्रपति को आमंत्रित किया। सात मंजिला अस्पताल का निर्माण तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री और डीएमके संरक्षक एम करुणानिधि की 100वीं जयंती के उपलक्ष्य में किया गया है। मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपति को दिवंगत नेता करुणानिधि पर लिखी पुस्तक भेंट की।

स्वास्थ्य पर लोगों का खर्च घटा, सरकारी व्यय में काफी बढ़ोतरी: डॉ. मांडविया

NEW DELHI : स्वास्थ्य पर लोगों की जेब से होने वाले खर्च में कमी आई है। शुक्रवार को केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने ट्वीट कर कहा कि कुल स्वास्थ्य व्यय में आउट-ऑफ-पॉकेट व्यय 2014-15 में 62.6 प्रतिशत से घटकर 2019-20 में 47.1 प्रतिशत हो गया है। इसी अवधि के दौरान सरकारी स्वास्थ्य व्यय में काफी वृद्धि हुई। इसने करोड़ों गरीब और कमजोर परिवारों के लिए स्वास्थ्य सेवा को किफायती बना दिया है। बता दें कि हाल ही में स्वास्थ्य मंत्रालय ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य लेखा (एनएचए) की रिपोर्ट जारी की। साल 2019-20 के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य लेखा (एनएचए) अनुमानों के अनुसार, कुल स्वास्थ्य खर्च में सरकार की हिस्सेदारी में वृद्धि हुई है जिसके कारण परिवारों को स्वास्थ्य सेवा पर कम खर्च करना पड़ रहा है। सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में स्वास्थ्य से जुड़े खर्च की हिस्सेदारी के रूप में देखा जाए तो यह वर्ष 2014-15 के 1.13 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2019-20 में 1.35 प्रतिशत हो गई।

अबुआ राज की बात करने वाली सरकार की असल मंशा बबुआ राज स्थापित करने की : देवशरण भगत

PHOTON NEWS RANCHI

आजसू पार्टी के केंद्रीय मुख्य प्रवक्ता डॉ. देवशरण भगत ने कहा कि अबुआ राज की बात करने वाली सरकार की असल मंशा बबुआ राज स्थापित करने की है। उन्होंने कहा कि सरकार निर्वाचित प्रतिनिधियों का अधिकार छीन कर अफसर राज स्थापित करने में जुटी हुई है। पंचायत प्रतिनिधियों को लेकर भी इन्होंने यही किया और अब निकाय परिषद के निर्वाचित प्रतिनिधियों को लेकर भी यही हुआ।

भगत शुक्रवार को रांची स्थित आजसू पार्टी केंद्रीय कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि कहा कि प्रथम कैबिनेट में अनुसूचित जाति, जनजाति एवं पिछड़ों को आरक्षण सुनिश्चित करने का दंभ भरने वाली सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के आदेशों को भी दरकिनार कर दिया। आजसू पार्टी द्वारा दायर किए गए याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट रूप से सरकार को यह आदेश दिया कि निकाय चुनाव से पहले राज्य में ट्रिपल टेस्ट सुनिश्चित हो। इसके बावजूद भी सरकार ने इस दिशा में कोई कदम नहीं उठाया। यह समझ से परे है। दरअसल सरकार ने कभी भी इस विषय पर गंभीरता नहीं दिखाई, जिसका खामियाजा राज्य की बड़ी आबादी को भुगतना पड़ रहा है।

देवशरण भगत का फाईल फोटो।

राज्यस्तरीय सामाजिक न्याय मार्च की तैयारियां अंतिम चरण में

30 अप्रैल को होने वाले कार्यक्रम की जानकारी देते हुए डॉ. भगत ने कहा कि सामाजिक न्याय मार्च में राज्य के कोने-कोने से हजारों कार्यकर्ता रांची कूच करेंगे तथा बापू वाटिका, मोरहाबादी से हरमू मैदान तक पैदल मार्च करेंगे। उन्होंने कहा कि हमारे सात सूत्री मांगों में खतियान आधारित स्थानीय एवं नियोजन नीति, जातीय जनगणना एवं पिछड़ों को आबादी अनुसार आरक्षण, पूर्व में जो जातियां अनुसूचित जनजाति की सूची में थे, उन्हें पुनः अनुसूचित जनजाति में शामिल करना, सरना धर्म कोड, बेरोजगारों को रोजगार, झारखंड के संसाधनों की लूट बंद करना तथा झारखंड आंदोलनकारियों को सम्मान देना मुख्य रूप से शामिल हैं।

नव पदस्थापित चिकित्सा पदाधिकारियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ समापन

PHOTON NEWS RANCHI

स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने कहा है कि डॉक्टर मानवीय संवेदनाओं से भरे होते हैं। इसलिए सेवा के इस क्षेत्र में आते हैं। गुप्ता शुक्रवार को नामकुम स्थित लोक स्वास्थ्य संस्थान में आयोजित नवनियुक्त पदस्थापित चिकित्सा पदाधिकारियों के पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे।

मंत्री ने नव नियुक्त चिकित्सा पदाधिकारियों को संवेदनशीलता, कर्तव्यपरायणता का पाठ पढ़ाया और मजबूती के साथ मरीजों की सेवा के लिए खड़े रहने के लिए जोश भरा। उन्होंने कहा कि नव नियुक्त चिकित्सा पदाधिकारियों से राज्य की जनता उम्मीद भरी नजरों से देख रही है। मातृत्व स्वास्थ्य, संस्थागत प्रसव, बच्चों के स्वास्थ्य सूचकांक में सुधार जैसे गंभीर दायित्व आप पर है। हमारे सरकारी अस्पताल कैसे मजबूत हो। इसी सोच के साथ काम करने की आवश्यकता है। सरकारी अस्पताल में आमतौर पर गरीब, असहाय और जरूरतमंद लोग इस विश्वास के साथ आते हैं कि उनकी जान बच जाएगी। इसलिए अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभाएं। मौके पर प्रशिक्षणोपरांत 133 चिकित्सा पदाधिकारियों को प्रमाण पत्र दिया गया।

इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अरुण कुमार सिंह ने कहा कि प्रशिक्षण एक सतत प्रक्रिया है।

विश्व का सर्वाधिक लोकप्रिय जनसंवाद कार्यक्रम है मन की बात : दीपक प्रकाश

PHOTON NEWS RANCHI

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद दीपक प्रकाश ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम के माध्यम से जनता से सीधा संवाद विश्व का सर्वाधिक लोकप्रिय गैर राजनीतिक संवाद कार्यक्रम है। वे शुक्रवार को प्रदेश कार्यालय में पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि देश के प्रभावशाली व्यक्तित्व, विचार, संस्कृति, संस्कार, प्रगति को संवाद के माध्यम से दुनिया के सामने लाने का अनूठा कार्यक्रम प्रधानमंत्री ने 30 अक्टूबर, 2014 को विजयादशमी के अवसर पर प्रारंभ किया। निर्विघ्न रूप से प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को आगे बढ़ता यह कार्यक्रम 100वें संस्करण में प्रवेश कर रहा है।

मीडिया को संबोधित करते सांसद दीपक प्रकाश। ● द फोटोन न्यूज

उन्होंने कहा कि पूरे देश में 3.50 लाख बूथों पर 3.50 करोड़ लोग इस कार्यक्रम में शामिल होंगे। राज्य के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में 100 स्थान के हिसाब से 81 विधानसभाओं में 8100 स्थानों के अतिरिक्त 900 विशेष स्थान भी निर्धारित हैं। झारखंड में कुल 9000 स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित है। इसमें समाज के अलग अलग वर्ग समूह डॉक्टर्स, वकील, प्राध्यापक, सीए, सीएस, मजदूर, छात्र सभी सुनेंगे।

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि शनिवार की शाम पार्टी की ओर से सभी जिला मुख्यालयों में दीपोत्सव मनाया जायेगा। लोग दीप जलाकर 100वें संस्करण का स्वागत करेंगे। इसके अतिरिक्त प्रभात फेरी कार्यक्रम भी आयोजित है।

झारखंडी विचारों को एकजुट करने का समय, युवा पीढ़ी आगे आए : सुदेश महतो

PHOTON NEWS RANCHI

पूर्व उपमुख्यमंत्री और आजसू पार्टी अध्यक्ष सुदेश महतो ने कहा कि झारखंडी विचारों को एकजुट करने का समय है। इसके लिए युवा पीढ़ी आगे आए। उन्होंने कहा कि अंग्रेजी शासन के जुल्म, शोषण, दमन के खिलाफ तथा अपनी धरती और अस्मिता की खातिर विद्रोह का चिराग जलाने वाले 1857 की क्रांति के महानायक अमर शहीद नीलांबर-पीतांबर ने स्वाधीनता संग्राम में जो बलिदान दिया, वो युगों-युगों तक हमें प्रेरित करते रहेगा।

महतो शुक्रवार को राहे के भोगता टोली में वीर शहीद नीलांबर-पीतांबर की प्रतिमा का अनावरण करने के बाद बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि इतिहास अतीत का अध्याय ही नहीं बल्कि भविष्य का आईना भी है। आज परिस्थितियां विपरीत हैं, समय बहुत कठिन है। समाज को तोड़ना आसान है लेकिन जोड़ना उतना ही कठिन। हमें हर परिस्थिति में जागरुक एवं एकजुट रहना होगा। जो समाज जितना संगठित है, वो उतना ही उन्नत और विकसित है। एकजुटता से ही विकास संभव है। हमारी लड़ाई अपने राज्य, अपने समाज और संस्कृति की रक्षा के लिए है। जो समाज पीछे छूट गए हैं, उन्हें प्रथम पाती में लाने की तैयारी करनी होगी।

नीलांबर-पीतांबर की प्रतिमा का अनावरण करते सुदेश महतो। ● द फोटोन न्यूज

अर्जुन मुंडा चार दिवसीय अंडमान निकोबार दौरे पर पहुंचे

अंडमान-निकोबार की जनजातियों के साथ सुनेंगे प्रधानमंत्री के मन की बात

PHOTON NEWS RANCHI

जनजातीय मामलों के केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा 30 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात अंडमान निकोबार में जनजातीय समुदाय और आदिम जनजाति के लोगों के साथ सुनेंगे। इस बार मोदी के मन की बात का 100 वां एपिसोड है और इस बार इस कार्यक्रम के विश्व रिकॉर्ड बनने की संभावना है।

उल्लेखनीय है कि अर्जुन मुंडा अपने चार दिवसीय अंडमान निकोबार दौरे पर गए हैं। इस दौरान वह यहां जनजातीय समुदाय से मिल रहे हैं।इस क्रम में शुक्रवार को मुंडा शोम्पेन आदिम जनजाति से मिलने कैंपबेल बे पहुंचे हैं। उनके साथ मंत्रालय के अधिकारियों की एक टीम दौरे पर हैं। मुंडा शुक्रवार की रात इसी द्वीप में गुजारेंगे। पहली बार किसी केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री का अंडमान निकोबार के आदिम जनजाति के लोगों से उनके द्वीप में जाकर मिलने और उनके बीच रहने का यह प्रयास है।

अंडमान निकोबार में अधिकारियों के साथ अर्जुन मुंडा। ● द फोटोन न्यूज

मुंडा आगामी 30 अप्रैल को जारवा आदिम जनजाति के लोगों से भी मिलेंगे। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में मूल रूप से छह जनजातियों अंडमानी, ओंगेस, जरावास, सेंटिनली, निकोबारी और शोम्पेंस का निवास स्थान रहा है।निकोबारी को छोड़कर, शेष पांच जनजातियां विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह (पीवीटीजी) हैं। द्वीपों की जनजातियां दो अलग-अलग जातियों से संबंधित हैं। अंडमान द्वीप समूह में रहने वाले अंडमानी, जरावास, ओंगेस और प्रहरी नेग्रिटो समूह के हैं, जबकि निकोबार द्वीप समूह में रहने वाले निकोबारी और शोम्पेंस मंगोलॉयड समूह के हैं। दोनों क्षेत्रों की जनजातियों ने नस्लीय, भाषाई और सांस्कृतिक दृष्टि से सदियों से संरक्षित रखा है।

मुंडा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जनजातीय समुदाय के भाषा, संस्कृति, परंपरा के साथ उनके सर्वांगीण विकास के लिए कृत संकल्पित हैं। इसी कारण अंडमान निकोबार का यह चार दिवसीय दौरा है। उन्हें यहां सदियों से रह रहे जनजातीय और आदिम जनजाति समुदाय को समझने का अवसर मिला।

जदयू नेता अजय आलोक हुए भाजपा में शामिल

NEW DELHI : जनता दल (यूनाइटेड) के पूर्व राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. अजय आलोक शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए। अजय आलोक ने भाजपा मुख्यालय में पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। केन्द्रीय मंत्री व भाजपा नेता अश्विनी वैष्णव ने डॉ. अजय आलोक को पार्टी की सदस्यता दिलाई। इस मौके पर अश्विनी वैष्णव ने डॉ. आलोक का स्वागत करते हुए कहा कि इनकी लंबी राजनीतिक पारी रही है। समाज, चिंतन और विकास यात्रा में इनका बहुत योगदान रहा है। भाजपा की विचारधारा से जुड़कर काम करने वाले ऐसे साथियों का हमेशा स्वागत रहता है। इस अवसर पर डॉ. अजय आलोक ने कहा कि आज का दिन खास है, क्योंकि वे अपने परिवार में शामिल हुए हैं। भाजपा की विचारधारा और नरेन्द्र मोदी की सोच से जुड़कर गरीबों और वंचितों के लिए काम करते रहेंगे।

BRIEF NEWS

योजनाओं के लिए 30 अप्रैल तक राशि का आवंटन करें विभाग : मुख्य सचिव

RANCHI : राज्य के मुख्य सचिव सुखदेव सिंह ने वित्तीय वर्ष 2023 -24 में विभिन्न विभागों की योजनाओं के लिए प्रावधानित बजट राशि का आवंटन बिना विलंब 30 अप्रैल तक जरूरत अनुसार करने का निर्देश दिया है। मुख्य सचिव ने इस संबंध में सभी विभागों के प्रमुख सचिव प्रधान सचिव सचिव को पत्र लिखा है। मुख्य सचिव ने कहा है कि वर्तमान वित्त वर्ष के ढाई महीने एक अप्रैल 2023 से 15 जून 2023 मानसून प्रारंभ होने तक की अवधि में विकास की चालू योजना के कार्य करने में तेजी लाई जा सकती है, बशर्ते इसके लिए बिना विलंब राशि आवंटित कर दी जाए। मुख्य सचिव ने चालू योजनाओं की समीक्षा कर हर हाल में प्राची आवंटन शुरू करने का निर्देश दिया है।

झारखंड में कोरोना के 511 नए मरीज मिले

RANCHI : झारखंड में कोरोना के लगातार मामले बढ़ते जा रहे हैं। राज्य में एक्टिव मरीजों की संख्या 511 हो गई है। कोरोना से राज्य में 40 मरीज स्वस्थ हुए हैं। जबकि राज्य में कोरोना के 81 नए मरीज मिले है। कोरोना के नए मामलों में पूर्वी सिंहभूम (जमशेदपुर) में 29, सरायकेला में 18, रांची में आठ , सिमडेगा में दस, पलामू में तीन, बोकारो,गिरिडीह, हजारीबाग, खूंटी, कोडरमा, लातेहार और पश्चिमी सिंहभूम (चाईबासा) में एक- एक मरीज मिले है। देवघर, धनबाद और लोहरदगा में दो दो मरीज मिले हैं। राज्य के 15 जिले में कोरोना के एक भी मरीज नहीं मिले है। नौ जिले में कोरोना के मरीज एक्टिव है। राज्य में सबसे ज्यादा पूर्वी सिंहभूम(जमशेदपुर) में 223 मरीज एक्टिव हैं।

ऑटो पलटने से एक की मौत, पांच घायल

RANCHI : पुंदाग ओपी क्षेत्र स्थित कटहलमोड़-अरगोड़ा रोड में गुरुवार की रात एक ऑटो दुर्घटनाग्रस्त हो गया। ऑटो में सवार सन्नी लोहरा कई लोग घायल गए। सभी को रिंची अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना की सूचना मिलते ही पुंदाग ओपी प्रभारी विवेक कुमार वहां पहुंचे और घायलों को तुरंत अस्पताल भेजा। जानकारी अनुसार ऑटो के आगे अचानक एक जानवर आ गया, उसे बचाने के दौरान ऑटो अनियंत्रित होकर पलट गया। मृतक सन्नी लोहरा को सिर में गंभीर चोट लगने और अत्यधिक रक्तस्राव की वजह से उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया है। परिजनों को दे दी गई है। वह अंबा टोली लापुंग का रहने वाला था।

रांची-पटना वंदे भारत ट्रेन का परिचालन अब मई में

RANCHI : वंदे भारत ट्रेन का तोहफा कई राज्यों को मिल चुका है। लेकिन रांची के लोगों को इसके लिए थोड़ा इंतजार करना पड़ेगा। क्योंकि अप्रैल में इसका परिचालन होना संभव नहीं है। रांची से पटना वंदे भारत ट्रेन महज 5-6 घंटे में सफर पूरा करने वाला है। इस लिहाजा लोगों को इसका बेसब्री से इंतजार है। जानकारी के अनुसार वंदे भारत ट्रेन का परिचालन अप्रैल में ना होकर अब मई के अंतिम सप्ताह में होने की उम्मीद है। इस ट्रेन को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। यह देश की 15वीं वंदे भारत ट्रेन होगी। रांची रेल मंडल के सीनियर डीसीएम निशांत कुमार ने बताया फिलहाल इस बारे में कुछ नहीं बोल सकते। लेकिन हमारी कोशिश है कि जल्द से जल्द लोगों को वंदेभारत की सौगात मिल पाए।

atom美
ATOMY
INDIA
RANCHI TEAM
WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24
Roshpa Roshpa Tower,
Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

Lodge और Banquet के लाइसेंस नहीं लेने पर पांच के बाद संचालकों पर कार्रवाई

REPORTER RANCHI : रांची में अब पांच मई के बाद लॉज और बैंक्वेट के लाइसेंस नहीं लेने पर संचालकों पर कार्रवाई होगी। रांची नगर निगम ने पांच मई तक लाइसेंस के लिए आवेदन जमा करने को कहा है। इसके बाद नगर निगम की ओर से संचालकों पर कार्रवाई की जाएगी।

पकड़े जाने पर 25 हजार फाइन लगाया जाएगा। दूसरी बार पकड़े जाने पर हॉस्टल, लॉज, बैंक्वेट को सील कर दिया जाएगा। इतना ही नहीं पांच मई के बाद वेरिफिकेशन के लिए टीम जाएगी तब ही लाइसेंस जारी किया जाएगा। संचालकों को नगर निगम से लाइसेंस लेना अनिवार्य कर दिया गया है।

सिटी में अब भी हजारों हॉस्टल लॉज बिना रजिस्ट्रेशन के लिए चल रहे हैं। इतना ही नहीं, वहां पर मानकों का भी पालन नहीं किया जा रहा है। अब इन

हॉस्टल्स पर पहले फाइन लगाया जाएगा। इसके बाद भी वे रजिस्ट्रेशन के लिए आवेदन नहीं करते है तो उनपर कार्रवाई की जाएगी।

बिना लाइसेंस के चल रहे अवैध हॉस्टल-लॉज पर शिकंजा कसने के लिए रांची नगर निगम ने योजना बनाई है। इसके तहत अवैध रूप से संचालन कर रहे संचालकों से लाइसेंस नहीं दिखाने पर 25-25 हजार रुपये फाइन वसूला जाएगा।

उन्हें एप्लीकेशन भी जमा करना होगा। इसके बाद टीम के विजिट में दोबारा लाइसेंस नहीं मिलेगा तो कैंपस को सील कर दिया जाएगा, जिससे संचालक किसी भी तरह का कारोबार नहीं कर सकेंगे।

रजिस्ट्रेशन कराने के बाद लाइसेंस की वैधता एक साल की है। इसके बाद हर साल संचालकों को लाइसेंस रिन्युअल कराना है। रजिस्ट्रेशन में 800 से लेकर 2500 रुपये का चार्ज तय है। दस बेड से ऊपर की संख्या होने पर हॉस्टल संचालक को एक साल के रजिस्ट्रेशन के लिए अलग चार्ज देना होगा।

पांच हजार घूस लेने के दोषी प्रधान लिपिक को दो साल की सजा

CRIME REPORTER RANCHI एसीबी के विशेष न्यायाधीश प्रकाश झा की अदालत ने शुक्रवार को पांच हजार घूस लेने के दोषी सदर अस्पताल के प्रधान लिपिक बिरेश प्रसाद को दो साल की सजा सुनायी है। साथ ही अदालत ने 30 हजार रुपये का जुमार्ना लगाया है। जुमार्ने की राशि नहीं देने पर छह माह की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। मामले में अभियोजन की ओर से विशेष लोक अभियोजक एके गुप्ता ने 10 गवाह पेश की। इसके आधार पर सजा सुनाई गई। मामला वर्ष 2010 का है। इस संबंध में सदर अस्पताल की सीनियर नर्स द्रोपदिया कुजूर के बयान पर 27 अक्टूबर 2010 को प्राथमिकी दर्ज की गयी थी। सीनियर नर्स सेवानिवृत हुई थी। सेवानिवृति के बाद पीएफ, ग्रेच्युटी और अन्य लाभ के लिए उन्होंने आवेदन दिया था। आवेदन को पास करने के लिए क्लर्क धर्मशीला देवी ने 10 हजार रुपये घूस की मांग की।

उन्होंने कहा कि दस हजार में से पांच हजार प्रधान लिपिक बिरेश प्रसाद को देगी और पांच हजार स्वयं रखेगी। बाद में द्रोपदिया कुजूर इसकी जानकारी निगरानी विभाग को दी।

Smart Phone और Social Media पर जागरुकता कार्यक्रम

REPORTER RANCHI : रांची के कांके रोड स्थित कैंब्रियन पब्लिक स्कूल में शुक्रवार को स्मार्टफोन और सोशल मीडिया पर जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम केन्द्रीय मनश्चिकित्सा संस्थान (सीआईपी) की ओर से किया गया। कार्यक्रम का शीर्षक स्मार्टफोन और सोशल मीडिया की डिजिटल दुनिया था। कार्यक्रम का नेतृत्व, सीआईपी के निदेशक डॉ.बासुदेब दास, प्रभारी डॉ. संजय कुमार मुंडा और इंचार्ज डॉ. सौरभ खानरा ने किया। कार्यक्रम की शुरूआत कैंब्रियन पब्लिक स्कूल की प्राचार्य डॉ नीता पाण्डेय के स्वागत भाषण से हुई।

सीआईपी की ओर से बच्चों को समझाते वक्ता।

उन्होंने स्कूल जाने वाले बच्चों के बीच स्मार्टफोन और सोशल मीडिया के अत्यधिक उपयोग को वर्तमान युग में उभरती समस्याओं और हस्तक्षेप की आवश्यकता के रूप में बताया। डीडीएपी के नोडल अधिकारी डॉ. एसके मुंडा ने सोशल मीडिया और स्मार्ट फोन के सकारात्मक और नकारात्मक प्रभावों के बारे में विस्तार से बताया। इस अवसर पर सीआईपी के निदेशक ने सोशल मीडिया और स्मार्ट फोन की लत से संबंधित हस्तक्षेप की बात कही।

सांसद ने की PM के मन की बात सुनने की अपील

मन की बात का 100वां एपिसोड उत्सव के रूप में मनाया जाएगा

REPORTER RANCHI : रांची के 78 सामाजिक, धार्मिक और व्यापारिक संस्थाओं से सांसद संजय सेठ ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात सुनने की अपील की है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के मन की बात का 100वां एपिसोड 30 अप्रैल को प्रसारित होगा। यह देशवासियों के लिए गौरव का क्षण होगा।

सेठ शुक्रवार को रांची के महेश्वरी धर्मशाला में प्रधानमंत्री के मन की बात के 100 वां एपिसोड को लेकर प्रेस वार्ता में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि मन की बात से जल संरक्षण, स्वच्छता, बेटियों के संरक्षण, सर्वधन जैसे कार्यक्रमों को नई

प्रेस कांफ्रेंस करते सांसद संजय सेठ, मुकुंद नायक व अन्य।

दिशा मिली है। इस कार्यक्रम के माध्यम से देश में सामाजिक परिवर्तन देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के मन की बात देश के लोगों के लिए प्रेरणादायक है। देश के सभी 146 करोड़ देशवासी प्रधानमंत्री के मन की बात के 100वां एपिसोड को उत्सव के रूप में मनाएंगे। प्रधानमंत्री मन की बात के माध्यम से जनता से संवाद स्थापित करते हैं। वह मन की बात में जनता के मन की बात करते हैं। प्रधानमंत्री के मन की बात में उनसे बात करना उन को प्रोत्साहित करना उनके किए गए कार्य को बताना यह अपने आप में बड़ी बात है।

प्रेस वार्ता में रांची के प्रमुख संस्थाओं के लोगों ने भी भाग लिया। इसमें महेश्वरी सभा, अग्रवाल सभा, ब्राह्मण सभा, मारवाड़ी युवा मंच, रांची थोक वस्त्र विक्रेता संघ, चडरी सरना समिति, झारखंड साहित्य मंच, गौशाला न्याय समिति, श्री महावीर मंडल रांची, श्री रांची दुर्गा पूजा समिति, श्री महावीर मंडल, डोरंडा पंजाबी हिंदू बिरादरी, विश्व हिंदू परिषद, कॉस्मो क्लब, श्री सिंगार समिति, श्री गुजराती समाज, झारखंड ट्रक मालिक संघ, इब्राहिमियां मोहर्रम कमेटी सहित 78 संस्था के लोग शामिल थे।

रांची के कैंब्रियन स्कूल में वार्षिक पत्रिका विजनेक्स्ट का विमोचन

REPORTER RANCHI : विद्यालय की गतिविधियों का दर्पण है स्कूल मैगजीनः डॉ. नीता पांडेय रांची, 28 अप्रैल (हि.स.)। रांची के कांके रोड स्थित कैंब्रियन पब्लिक स्कूल में शुक्रवार को स्कूल की वार्षिक पत्रिका विजनेक्स्ट के दसवें अंक का विमोचन हुआ। साथ ही सत्र 2022-23 के टॉपर्स को पुरस्कृत किया गया।

मौके पर प्राचार्या डॉ. नीता पांडेय ने कहा कि स्कूल मैगजीन विद्यालय में बच्चों को दी जा रही शिक्षा, संस्कार और संस्कृति

सहित अन्य गतिविधियों का दर्पण है। विद्यालय पत्रिका से बच्चों में लेखन प्रतिभा निखरती है। प्राचार्या ने सेक्शन टॉपर्स और सौ फीसदी उपस्थिति वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया। पत्रिका का संपादन सिराजुद्दीन पंडित ने किया है। पत्रिका के प्रकाशन में संपादक मंडल सदस्य सह चीफ एक्टिविटी कॉर्डिनेटर आशा राज, विनिता वर्मा, ममता कुमारी एवं मीनाक्षी शर्मा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

परिवारिक विवाद में महिला पर कैंची से हमला, मामला दर्ज

RANCHI : कोतवाली थाना क्षेत्र में परिवारिक विवाद में एक महिला पर कैंची से हमला करने का मामला शुक्रवार को प्रकाश में आया है। महिला का नाम नसरीन परवीन बताया गया है। जबकि कैंची मारने का आरोप उसने अपने भाभी फराना खातुन पर लगाया है। थाना प्रभारी शैलेश कुमार ने बताया कि घरेलू विवाद में ननद और भाभी में किसी बात को लेकर विवाद चल रहा था। इसी को लेकर भाभी ने कैंची से हमला किया। नसरीन परवीन रांची नगर निगम में कॉन्ट्रैक्ट पर काम करती है।

गोस्सनर कॉलेज में नि:शुल्क डेंटल केयर चेकअप का आयोजन

REPORTER RANCHI : रांची के गोस्सनर कॉलेज के बीबीए डिपार्टमेंट में शुक्रवार को निशुल्क डेंटल हेल्थ केयर का आयोजन किया गया। इसमें डॉक्टर सरिता ने कॉलेज के विद्यार्थियों एवं प्रोफेसर्स का डेंटल चेकअप किया। इस दौरान डॉ. सरिता ने बताया कि निःशुल्क डेंटल चेकअप के पीछे का एकमात्र उद्देश्य है। लोगों को डेंटल केयर के प्रति जागरूक करना, क्योंकि इस दौड़ भाग से भरी जिंदगी में लोग अपनी सेहत का तो ख्याल रख लेते हैं पर अपने दांतों का

ख्याल रखना भूल जाते हैं।

वहीं, दूसरी ओर बीबीए डिपार्टमेंट के विभागाध्यक्ष ने बताया कि कॉलेज के विद्यार्थियों ने डेंटल चेक अप में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। उन्होंने आगे कहा कि आगे भी इस तरह के शिविर का आयोजन किया जाएगा। मौके पर बीबीए विभाग के विभाग अध्यक्ष प्रोफेसर विनय और प्रोफेसर सुरेन्द्र प्रजापति, विद्यार्थी सहित अन्य मौजूद थे।

खबरें झारखंड हाईकोर्ट की

बीज घोटाला मामले में तत्कालीन कृषि निदेशक निस्तार मिंज की बहस पूरी

REPORTER RANCHI झारखंड हाई कोर्ट के जस्टिस गौतम कुमार चौधरी की कोर्ट में शुक्रवार को 46.10 करोड़ के बीज घोटाला मामले में आरोपित तत्कालीन कृषि निदेशक निस्तार मिंज की क्रिमिनल रिवीजन की सुनवाई हुई। मामले में याचिकाकर्ता की ओर से बहस पूरी हो गई है। अब एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) की ओर से बहस होगी। हाई कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 30 जून निर्धारित की है।

निस्तार मिंज ने एसीबी कोर्ट द्वारा उनके डिस्चार्ज पिटीशन को खारिज कर दिए जाने को हाई कोर्ट में चुनौती दी है। उनकी ओर से कोर्ट को बताया गया है कि निस्तार के खिलाफ एसीबी थाना में दो एफआईआर दर्ज किया गया है, जिनमें एक एफआईआर वर्ष 2009 में बीज घोटाला एवं दूसरा एफआईआर वर्ष 2013 में खाद घोटाला में किया गया है।

याचिकाकर्ता का कहना है कि वर्ष 2013 में जो खाद घोटाला का मामला दर्ज किया गया था उसमें अभी तक आरोप पत्र भी दायर नहीं हुआ है और अनुसंधान जारी है। वर्ष 2013 के खाद घोटाला के मामले को बीज घोटाला के साथ मर्ज करते हुए उनके डिस्चार्ज पिटीशन पर सुनवाई हुई थी। बीज घोटाला के साथ खाद घोटाला के आरोपों को जोड़कर उनके डिस्चार्ज पिटीशन को एसीबी कोर्ट ने खारिज कर दिया था, जो अनुचित है। याचिकाकर्ता की ओर से पटना हाई कोर्ट के अधिवक्ता अजीत कुमार, वरीय अधिवक्ता राजीव सिन्हा और रोहित सिन्हा ने पैरवी की।

हाई कोर्ट में विधायक चौरसिया के निर्वाचन को चुनौती देने वाली याचिका पर हुई सुनवाई

झारखंड हाई कोर्ट के जस्टिस अनिल कुमार चौधरी की कोर्ट में शुक्रवार को डाल्टेनगंज विधायक आलोक चौरसिया के निर्वाचन को चुनौती देने वाली चुनाव याचिका पर सुनवाई हुई। मामले में विधायक आलोक चौरसिया की ओर से वरीय अधिवक्ता वीपी सिंह ने कोर्ट को बताया कि आलोक चौरसिया ने जिस समय नामांकन दाखिल किया था, उस समय वह चुनाव लड़ने की योग्य थे। वर्ष 2014 में अपना जन्मतिथि सुधार करवा लिया था। उनकी जन्म तिथि 1995 से 1988 किया गया था। आलोक चौरसिया की ओर से बहस जारी रही। मामले की अगली सुनवाई पांच मई को होगी। सुनवाई के दौरान केएन त्रिपाठी की ओर से सुप्रीम कोर्ट के वरीय अधिवक्ता एवं कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद, हाई कोर्ट के अधिवक्ता महेश तिवारी एवं अधिवक्ता अभिषेक कुमार दुबे ने पैरवी की।

अमित शाह पर टिप्पणी मामले में राहुल गांधी को हाई कोर्ट से मिली राहत बरकरार

RANCHI : झारखंड हाई कोर्ट के जस्टिस अम्बुजनाथ की अदालत ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर टिप्पणी मामले में कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी को मिली राहत अगली तिथि तक बरकरार रखी है। राहुल गांधी की याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई के दौरान कोर्ट ने केस के सूचक को लिखित बहस जमा करने के लिए अंतिम मौका दिया है।

हाई कोर्ट ने इस मामले की अगली सुनवाई के लिए 11 मई की तिथि निर्धारित की है। साथ ही कोर्ट ने राहुल गांधी के खिलाफ पीड़क कार्रवाई पर रोक के आदेश को विस्तार दिया है। इससे पहले हाई कोर्ट राहुल गांधी को रांची सिविल कोर्ट की ओर से जारी नोटिस पर रोक लगा चुका है। राहुल गांधी की ओर से अधिवक्ता पीयूष चित्रेश और अधिवक्ता दीपांकर राय ने पक्ष रखा। इस मामले के याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता विनोद साहू ने पक्ष रखा।

दरअसल, यह मामला राहुल गांधी द्वारा कांग्रेस के अधिवेशन में तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह के खिलाफ टिप्पणी करने से जुड़ा है, जिसमें राहुल गांधी ने कहा था कि कांग्रेस में कोई हत्यारा राष्ट्रीय अध्यक्ष नहीं बन सकता है। कांग्रेसजन किसी हत्यारा को राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वीकार नहीं कर सकते हैं। यह भाजपा में ही संभव है। नवीन झा ने राहुल गांधी के इस बयान के खिलाफ रांची सिविल कोर्ट में शिकायतवाद दर्ज कराई थी, जिस पर कोर्ट ने संज्ञान ले लिया था। राहुल गांधी ने इसे निरस्त करने के लिए हाई कोर्ट में याचिका दाखिल की है।

मिलावटी खाद्य पदार्थ मामले में सरकार का जवाब नहीं आने पर जताई कड़ी नाराजगी

RANCHI : झारखंड हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र की अध्यक्षता वाली खंडपीठ में शुक्रवार को दूध में मिलावट सहित मिलावटी खाद्य पदार्थों के मामले में कोर्ट के स्वतः संज्ञान मामले पर सुनवाई हुई। कोर्ट ने सरकार का जवाब नहीं आने पर कड़ी नाराजगी जतायी। कोर्ट ने मौखिक कहा कि अगली सुनवाई तक अगर जवाब दाखिल नहीं होता है तो स्वास्थ्य सचिव को कोर्ट में उपस्थित होना होगा। कोर्ट ने मामले की सुनवाई 16 जून निर्धारित की है।

पिछली सुनवाई में हाई कोर्ट ने राज्य सरकार को विस्तृत जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया था। कोर्ट ने राज्य सरकार से खाद्य पदार्थों की जांच से संबंधित एक साल का विवरण मांगा था। कोर्ट ने सरकार से पूछा था कि राज्य के जिलों में फूड सेफ्टी ऑफिसर के द्वारा प्रति माह कितने खाद्य पदार्थों (कच्चे और पक्के) के सैंपल को एकत्रित किया गया। इसमें से कितने सैंपल गलत पाए गए, जो खाद्य पदार्थ के सैंपल गलत पाए गए उनके संचालकों के खिलाफ क्या कार्रवाई हुई। लैब में खाद्य पदार्थों की किस-किस तरह की जांच होती है। इन सारी चीजों के बारे में हाई कोर्ट ने सरकार को शपथ पत्र दाखिल करने का निर्देश दिया था। मामले में एमिकस क्यूरी पीयूष पोद्दार ने पैरवी की।

मुख्यमंत्री ने भुवनेश्वर के लिंगराज मंदिर में किया दर्शन

हेमंत सोरेन के साथ कल्पना सोरेन, विनय कुमार चौबे, सुखदेव सिंह व अन्य।

REPORTER RANCHI मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने ओडिशा दौरे के क्रम में शुक्रवार को सपरिवार भुवनेश्वर स्थित प्राचीन और ऐतिहासिक लिंगराज मंदिर के दर्शन किए। उन्होंने और उनकी धर्मपत्नी कल्पना सोरेन ने विधि-विधान से भगवान त्रिभुवनेश्वर (शिव) की पूजा-अर्चना कर झारखंड और झारखंड वासियों की प्रगति, सुख -शांति, समृद्धि, खुशहाली और स्वस्थ जीवन की कामना की। मुख्य सचिव सुखदेव सिंह और मुख्यमंत्री के सचिव विनय कुमार चौबे ने भी मंदिर में शीश नवाकर आशीर्वाद लिया।

BRIEF NEWS

बीमारी से परेशान महिला ने की खुदकुशी

DUMKA : मसानजोर थाना क्षेत्र के पाटसिमला गांव में गुरुवार की शाम बीमारी से तंग आकर दो बच्चों की मां सीमा देवी (23) ने घर में ही फांसी लगाकर जान दे दी। शुक्रवार को पुलिस ने पोस्टमार्टम कराकर शव को पति को सौंप दिया। पति जितेंद्र रजक ने बताया कि दो माह से पत्नी बीमार चल रही थी। कई जगह इलाज कराने के बाद भी हालत में सुधार नहीं हो रहा था। गुरुवार की शाम घर के सभी लोग बच्चों को लेकर गांव में ही गए हुए थे। शाम को वापस आने पर देखा कि पत्नी फंदे से लटक रही है। सूचना के बाद पुलिस आई और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना प्रभारी छोटन महतो ने बताया कि महिला के माता पिता ने किसी तरह का आरोप नहीं लगाया है। पति के बयान पर यूडी केस दर्ज किया गया है।

अश्लील कमेंट के कारण हुई थी सैलून दुकानदार की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

KODARMA : कोडरमा जिला अंतर्गत सतगावां पुलिस ने मनोज शर्मा हत्याकांड का खुलासा करते हुए आरोपित छोटू राय को शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया है। सतगावां थाना प्रभारी आनन्द कुमार साह ने बताया कि 21 अप्रैल की रात माधोपुर पुल के समीप धरमपुर निवासी मनोज शर्मा की अज्ञात लोगों ने हत्या कर दी थी। कोडरमा एसपी के निर्देश पर गठित टीम ने मामले का उद्भेदन करते हुए हत्या में शामिल छोटू राय को गिरफ्तार किया। आरोपित ने पुलिस को पूछताछ में बताया कि मृतक आरोपित पर हमेशा अश्लील कमेंट करता था, क्योंकि आरोपित का बच्चा नहीं है। इस वजह से उसके साथ अश्लील कमेंट किया करता था। आरोपित मृतक के दुकान में ही काम करता था। बताया जा रहा है कि छोटू राय को दिल्ली पुलिस ने भी हत्या के एक मामले में गिरफ्तार किया था। करीब तीन वर्ष जेल में रहने के बाद जमानत पर निकला था।

गिरिडीह में लापता महिला का शव मिला

GIRIDIH : जिले के बगोदर थाना क्षेत्र के बुढ़ाचांच जंगल में शुक्रवार को एक महिला का शव मिला। मृतका की पहचान बगोदर थाना क्षेत्र के जरमुने निवासी राजेंद्र साव की 55 वर्षीय पत्नी कुंती देवी के रूप में हुई है। वह बीते चार-पांच दिनों से लापता थी। जानकारी के अनुसार शुक्रवार की सुबह बुढ़ाचांच जंगल में एक पेड़ से बंधा हुआ कुंती देवी का शव देखा गया। ग्रामीणों ने इसकी सूचना बगोदर थाना पुलिस को दी। थाना प्रभारी नीतीश कुमार ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अरु मध्य विद्यालय में भौंरों का आतंक

LOHARDAGA : जिले के सेन्हा प्रखंड के अरु मध्य विद्यालय प्रांगण में भौंरों के हमले में प्रधानाध्यापिका सहित 40 विद्यार्थी घायल हो गए। सभी को अस्पताल ले जाया गया। बताया गया है कि विद्यालय प्रांगण में विशाल सेमल का पेड़ है। यहां पर काफी दिनों से भौंरों का बसेरा है. शुक्रवार को विद्यालय प्रांगण में छुट्टी से पूर्व प्रार्थना के लिए जैसे ही बच्चे-बच्चियां कतार में खड़े हुए और राष्ट्रीय गान आरंभ हुआ कि भौंरों ने आतंक मचा दिया. इसमें प्रधानाध्यापिका आशा सुषमा बाड़ा सहित 40 छात्र-छात्राएं जख्मी हो गए। विद्यालय में अफरा-तफरी मच गई। जख्मी बच्चे बैग साइकिल विद्यालय में छोड़ घर भागने लगे।

ट्रैक्टर की चपेट में आकर दो युवकों की मौत, दो घायल

KHUNTI : मुरहू और तोरपा थाना के सीमावर्ती क्षेत्र इतिलपीड़ी गांव के पास शुक्रवार को एक ट्रैक्टर पलट गया। इस दुर्घटना में ट्रैक्टर पर सवार मुरहू पंचायत की मुखिया ज्योति डोडराय के भाई और सोमवार बाजार निवासी दीपक डोडराय (29) और गोस्नर भेंगरा (27) की उसमें दबने से घटनास्थल पर ही मौत हो गई। इस दुर्घटना में याकूब और बसंत नामक दो अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल दोनों युवकों को मूरहू में प्राथमिक उपचार के बाद सदर अस्पताल खूंटी भेज दिया गया है। जानकारी के अनुसार मुरहू सोमवार बाजार के सभी युवक ट्रैक्टर में खपड़ा लादकर हाबो गांव गए थे।

नाबालिग लड़की से सामूहिक दुष्कर्म, दो आरोपी हिरासत में

PHOTON NEWS LOHARDAGA

कुडू थाना क्षेत्र के एक गांव में शादी समारोह में पहुंची आदिवासी नाबालिग लड़की को दो युवकों ने अगवा करते हुए उसके साथ दुष्कर्म किया। लड़की के गायब होने की सूचना के बाद ग्रामीणों ने खोजबीन की तो वह बंद पड़े ईंट-भट्ठे में बेहोशी की हालत में मिली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसे कुडू सीएचसी पहुंचाया, जहां प्राथमिक इलाज के बाद रांची रिम्स रेफर कर दिया गया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया है।

गिरफ्तारी के बाद थाने में जुटे परिजन। ● द फोटोन न्यूज

बताया जाता है कि 13 साल कि नाबालिग आदिवासी लड़की घर के बगल में आयोजित शादी समारोह में पहुंची थी। गुरुवार देर रात लगभग 11 बजे लड़की गायब हो गई। परिजनों ने खोजबीन शुरू किया। इसी बीच किसी ने जानकारी दी कि गांव के दो युवक लड़की को ले गए हैं। ग्रामीणों ने लड़की को खोजते हुए बंद पड़े ईंट-भट्ठे में पहुंचे तो लड़की बेहोशी की हालत में पड़ी हुई थी। ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दी।

लोहरदगा सदर अस्पताल में इलाज के बाद स्थिति में सुधार नहीं होने पर लड़की को रांची रिम्स रेफर कर दिया गया। पुलिस ने रात में ही एक आरोपी को हिरासत में ले लिया। शुक्रवार अहले सुबह दूसरे आरोपी को भी हिरासत में ले लिया गया। थाना प्रभारी विश्वजीत कुमार सिंह ने बताया कि दो युवकों ने आदिवासी नाबालिग के साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया था। लड़की को रांची रिम्स रेफर किया गया है।

फर्जी प्रमाणपत्र पर नौकरी लेने वाले सेवानिवृत्त शिक्षक को तीन साल की सजा, 50 लाख जुर्माना

PHOTON NEWS DUMKA

सरैयाहाट के एक सेवानिवृत्त शिक्षक महादेव मंडल ने फर्जी प्रमाण पत्र के सहारे नौकरी की और सेवानिवृत्ति के बाद सरकारी प्रावधान का लाभ भी उठाया। विभाग ने जब सरकारी राशि जमा करने के आदेश दिया तो मुकर गए। 12 साल तक चले मुकदमे के बाद शुक्रवार को अदालत ने दोषी पाकर सजा सुनाई।

प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी विजय कुमार यादव की अदालत ने शिक्षक को तीन धाराओं में तीन साल कारावास और 50 लाख रुपये जुमार्ना की सजा सुनाई। जुमार्ना की राशि सरकारी कोष में जमा नहीं करने पर अभियुक्त को छह माह की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। सजा की खास बात यह है कि तीन धाराओं में सुनाई गई सजा एक साथ नहीं चलेगी। पहले तीन, फिर दो और अंत में एक साल की सजा काटनी होगी। सरकार की ओर से एपीपी खुशबूदीन अली ने बहस की। इस केस में केवल एक की गवाही दर्ज कराई गई।

क्या है पूरा वाक्या

वर्ष 2011 में तत्कालीन जिला शिक्षा अधीक्षक को जांच के क्रम में पता चला कि सरैयाहाट प्रखंड के कानीजोर प्राथमिक विद्यालय के सेवानिवृत्त शिक्षक महादेव मंडल ने फर्जी प्रमाण पत्र के आधार पर नौकरी हासिल की है। इतना ही सेवानिवृत्त होने के बाद सरकारी प्रावधान के तहत राशि भी ली। 27 अप्रैल, 11 को उन्होंने बिहार विद्यालय परीक्षा समिति के सचिव को सारी जानकारी देकर कुछ बिंदुओं पर जांच कराने का अनुरोध किया।

जांच में पता चला कि शिक्षक ने 1968 का मैट्रिक का जो प्रमाण पत्र दस्तावेजों के साथ जमा किया है, अभिलेख में उनके नाम की जगह दूसरे का नाम है। इससे लगता है कि छात्र ने फर्जी कागजात तैयार कर नौकरी हासिल की है। उन्होंने तत्कालीन प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी अमरनाथ साहू को तत्काल प्राथमिकी का निर्देश दिया। साथ ही शिक्षक को नोटिस देकर कहा कि सेवानिवृत्त होने के बाद उन्होंने जो सरकारी राशि प्राप्त की है, एक पक्ष के अंदर सारी राशि देवघर कोषागार में जमा कर दें।

समाहरणालय सभागार में दिशा की बैठक संपन्न

JAYANT SINHA ने अधिकारियों को दिए दिशा-निर्देश

PHOTON NEWS RAMGARH

रामगढ़ समाहरणालय सभागार में सांसद जयंत सिन्हा की अध्यक्षता में शुक्रवार को डिस्ट्रिक्ट डेवलपमेंट कोआर्डिनेशन एंड मॉनिटरिंग कमिटी डीडीसीएमसी, दिशा की बैठक संपन्न हुई।

बैठक के दौरान सर्वप्रथम डीडीसी नागेंद्र कुमार सिन्हा ने पूर्व में हुए दिशा की बैठक में दिए गए निदेर्शों के आलोक में हुए कार्यों की सभी को विस्तार से जानकारी दी। सबसे पहले सांसद ने मनरेगा के तहत जिले में हो रहे कार्यों की विस्तार से जानकारी ली। साथ ही जिले के सभी पंचायतों में खेल मैदान स्थापित करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे खेल विकास योजना के बारे में बात की।

सांसद ने अधिकारियों को नियमित रूप से स्थल निरीक्षण कर बेहतर गुणवत्ता के साथ खेल मैदान, जिसमें शौचालय सहित अन्य मूलभूत सुविधा सुनिश्चित करने का

रामगढ़ समाहरणालय सभागार के बैठक में शामिल जयंत सिंहा व अन्य। ● द फोटोन न्यूज

कार्य जल्द से जल्द पूरा करने का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने मनरेगा के तहत तालाब निर्माण, तालाब सौन्दर्यीकरण आदि कार्यों की जानकारी ली एवं कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए।

केंद्र एवं राज्य प्रायोजित पेंशन योजना के माध्यम से लोगों को लाभान्वित करने के संबंध में हो रहे कार्यों की समीक्षा के क्रम में सांसद ने शत-प्रतिशत योग्य लाभुकों को योजनाओं से जोड़ते हुए उन्हें लाभान्वित करने का निर्देश दिया। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की समीक्षा के क्रम में सांसद ने कार्यपालक अभियंता ग्रामीण कार्य विभाग कार्य प्रमंडल रामगढ़ से बीते वर्ष व वर्तमान वर्ष में किए गए कार्यों की जानकारी लेने के क्रम में आवश्यक निर्देश दिए।

प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से लाभुकों को आवास का लाभ देने के संबंध में हो रहे कार्यों की समीक्षा के क्रम में सांसद ने बैठक में उपस्थित जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों के साथ विस्तार से चर्चा की एवं जिले के अलग-अलग क्षेत्रों में सर्वे कराकर विभिन्न योजनाओं व आवश्यक सुविधाओं की सूची तैयार करने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने इन कार्यों में विभिन्न पंचायतों के मुखियाओं सहित अन्य जनप्रतिनिधियों का सहयोग योजनाबद्ध तरीके से लेने के संबंध में महत्वपूर्ण निर्देश दिए।

पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल रामगढ़ द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा के क्रम में सांसद ने कार्यपालक अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल से जिले में संचालित जलापूर्ति योजनाओं एवं उनके वर्तमान स्थिति की जानकारी ली। मौके पर जनप्रतिनिधियों ने कई क्षेत्रों में जलापूर्ति योजना के कार्य न करने से संबंधित मामले को सभी के समक्ष रखा, जिस पर सांसद ने जनप्रतिनिधियों को कार्यपालक अभियंता के साथ समन्वय करते हुए संयुक्त रूप से स्थल निरीक्षण कर जलापूर्ति योजनाओं का कार्य करना सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना अंतर्गत पीएम कुसुम योजना के माध्यम से ज्यादा से ज्यादा योग्य लाभुकों को सोलर पंप का लाभ देने के उद्देश्य से सांसद ने बैठक में उपस्थित अधिकारियों को योजना का व्यापक प्रचार प्रसार कर लाभुकों को योजना से जोड़ने का निर्देश दिया। जिला शिक्षा कार्यालय द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा के क्रम में सांसद ने बच्चों की शिक्षा व्यवस्था व सर्वांगीण विकास को लेकर विभिन्न माध्यमों से किए गए कार्यों की जानकारी ली।

मौके पर जिला शिक्षा पदाधिकारी ने डीजीसाथ, ज्ञानसेतु, एक्स्ट्रा क्लास आदि के माध्यम से किए गए कार्यों की विस्तार से जानकारी दी। वहीं सांसद ने जिले के सरकारी विद्यालयों में पढ़ रहे बच्चों को विभिन्न प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करने हेतु कोचिंग व्यवस्था शुरू करने के संबंध में अधिकारियों के साथ चर्चा की।

सड़क हादसे में फोटो जर्नलिस्ट का निधन, पत्रकारों ने जताया शोक

PHOTON NEWS RAMGARH

जिले के फोटोजर्नलिस्ट प्रदीप कुमार का निधन शुक्रवार की सुबह सड़क हादसे में हो गया। इस हृदय विदारक हादसे के बाद पत्रकार का पूरा परिवार सदमे में डूब गया है। रामगढ़ पुलिस ने इस मामले में तत्काल कार्रवाई करते हुए टेलर को जब्त कर लिया है।

साथ ही उसके चालक को भी गिरफ्तार कर लिया है। शुक्रवार की सुबह एक हिंदी दैनिक के फोटोजर्नलिस्ट प्रदीप कुमार मॉर्निंग वॉक के लिए निकले थे। इसी दौरान जब वह शहर के झंडा चौक मोड़ पर पहुंचे, उसी दौरान एक टेलर ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में गंभीर रूप से घायल प्रदीप कुमार को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों ने उनकी हालत नाजुक बताते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए रिम्स रेफर कर दिया। रिम्स में इलाज के दौरान प्रदीप कुमार ने दम तोड़ दिया। रामगढ़ थाना प्रभारी रोहित कुमार ने बताया कि इस हादसे की वजह चालक की लापरवाही है। उसने अनियंत्रित तरीके से न सिर्फ

प्रदीप कुमार का फाईल फोटो।

गाड़ी चलाई बल्कि वह सड़क को छोड़कर फुटपाथ पर घुस गया था। छावनी परिषद द्वारा बनाए गए कूड़ेदान को तोड़ते हुए उसने इस हादसे को अंजाम दिया है। टेलर चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है। इस मामले में आगे की कार्रवाई भी की जा रही है।

इस हादसे के बाद रामगढ़ के पत्रकारों में शोक की लहर है। प्रदीप कुमार के निधन के बाद पत्रकारों ने ईश्वर से उनकी आत्मा की शांति हेतु प्रार्थना भी की। शोक जताने वालों में महेश मारवाह, नंदकिशोर अग्रवाल, मनोज सिंह, योगेन्द्र सिन्हा, महावीर अग्रवाल, तरुण बागी, अमितेश प्रकाश, वीरू कुमार, धर्मेंद्र पटेल, संजय शुक्ला सहित कई लोग शामिल हैं।

झारखंड इस्पात प्लांट के समीप जाम, लोग परेशान

PHOTON NEWS RAMGARH

रामगढ़ शहर के नईसराय-अरगड्डा मुख्य सड़क स्थित हेसला झारखंड इस्पात प्राईवेट लिमिटेड फैक्ट्री में प्रवेश करने वाले कोयला और स्पंच लदे ट्रकों के कतार चार दिन बीत जाने के बाद भी मुख्य सड़क को जाम इससे निजात नहीं मिल पाई हैं। बताया जाता है कि बीते सोमवार संध्या 7 बजे से यह

ट्रकों की लगी लंबी लाइन। ● द फोटोन न्यूज

सिलसिला आरंभ हुआ था, जो शुक्रवार सुबह तक ट्रकों की लंबी लाइन लगी हुई है।

इससे मुख्य सड़क पर गुजरने वाले यात्रियों को खासा मुश्किल का सामना करना पड़ा। वाहन चालकों को वाहन चलाने में भी विशेष सावधानी बरतनी पड़ रही है। इसे लेकर आदिवासी जनपरिषद जिला रामगढ़ अध्यक्ष हीरालाल बेदिया ने कहा कि फैक्ट्री प्रबंधन क्षमता से ज्यादा कोयला, स्पंच भारी वाहनों में मंगा लेते है। लेकिन फैक्ट्री में व्यवस्था अच्छी नहीं होने के कारण मुख्य सड़क पर ट्रकों के खड़े होने से जाम की स्थिति उत्पन्न हो जाती हैं। इससे जानमाल असुरक्षित और प्रदूषण, दुर्घटना का खतरा बना रहता हैं। इसके लिए फैक्ट्री प्रबंधन सकारात्मक पहल करें।

मूकबधिर युवती के साथ दुष्कर्म

PHOTON NEWS PALAMU

जिले के पाटन में एक पड़ोसी ने मूकबधिर युवती के साथ दुष्कर्म किया। मामला पाटन के नावाजयपुर थाना अंतर्गत रूदीडीह पंचायत का है।

पीड़ित की मां ने शुक्रवार को पड़ोस के ही दो बच्चों के पिता अवधेश राम (35) के खिलाफ नावाजयपुर थाना में एफआईआर दर्ज कराया है। युवती की मां ने बताया कि उसकी 20 वर्षीय बेटी गुरुवार को करीब शाम चार बजे घर में अकेली थी। घर के सभी लोग कुछ काम से गांव में ही गए हुए थे। सुनसान का फायदा उठाकर आरोपित ने उसके साथ दुष्कर्म किया। जब शाम को वह घर आई तो बेटी रो रही थी। इसी बीच आरोपित फरार हो गया।

इस संबंध में थाना प्रभारी संजय रजक ने बताया कि एफआईआर दर्ज कर लिया गया है। आरोपित को पकड़ने के लिए छापेमारी की जा रही है। जल्द ही उसे गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।

बोकारो में कोजी स्वीट्स फायरिंग मामले में चार आरोपी गिरफ्तार

PHOTON NEWS BOKARO

पुलिस ने कोजी स्वीट्स फायरिंग मामले में चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। बोकारो एसपी चंदन झा ने पत्रकार वार्ता में बताया कि एसआईटी की टीम ने 15 अप्रैल की रात सेक्टर चार स्थित कोजी स्वीट्स में 9 राउंड फायरिंग कर दहशत फैलाने वाले अपराधियों को देसी कार्बाइन, देसी पिस्टल के साथ गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने एक हत्याकांड में फरार चल रहे कौशल बिहारी, उसके सहयोगी गौरव तिवारी, अमित महली और जमीन कारोबारी आशुतोष गौतम उर्फ. बबलू किलो को गिरफ्तार किया है।

बोकारो एसपी के मुताबिक जमीन कारोबारी आशुतोष गौतम

गिरफ्तार आरोपी व जानकारी देती पुलिस। ● द फोटोन न्यूज

कारोबार में वर्चस्व कायम करने के लिए फरार अभियुक्त कौशल बिहारी के साथ मिलकर बोकारो में अपराधियों का नया गैंग बनाना चाह रहा था। अपराधी कौशल बिहारी ने शहर में रंगदारी वसूलने के लिए इस तरह की घटना को अंजाम दिया था। इसके सहयोगी गौरव तिवारी ने व्हाट्सएप कॉल के जरिए कोजी स्वीट्स के मालिक से 10 लाख की रंगदारी की मांग की थी।

एसपी चंदन झा ने बताया कि कौशल बिहारी बीएस सिटी थाना क्षेत्र में हुए राजकुमार सिंह हत्याकांड में मुख्य आरोपित है और वह घटना के बाद से ही फरार चल रहा था।

ऑटो पलटने से एक की मौत, पांच घायल

PHOTON NEWS RANCHI

पुंदाग ओपी क्षेत्र स्थित कटहलमोड़-अरगोड़ा रोड में गुरुवार की रात एक ऑटो दुर्घटनाग्रस्त हो गया। ऑटो में सवार सन्नी लोहरा कई लोग घायल गए। सभी को रिंची अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना की सूचना मिलते ही पुंदाग ओपी प्रभारी विवेक कुमार वहां पहुंचे और घायलों को तुरंत अस्पताल भेजा ।

जानकारी अनुसार ऑटो के आगे अचानक एक जानवर आ गया, उसे बचाने के दौरान ऑटो अनियंत्रित होकर पलट गया। मृतक सन्नी लोहरा को सिर में गंभीर चोट लगने और अत्यधिक रक्तस्राव की वजह से उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया है। परिजनों को दे दी गई है। वह अंबा टोली लापुंग का रहने वाला था।

डीएवी कपिलदेव के छात्रों ने लिया नशा न करने का संकल्प

PHOTON NEWS RANCHI

डीएवी कपिलदेव पब्लिक स्कूल कडरू में छात्रों और शिक्षकों ने नशा न करने का संकल्प लिया। नारकोटिक्स ब्यूरो सेल के इंटेलिजेंस अफसर अमित कुमार भगत ने बच्चों को विधिवत संकल्प दिलाया। वे आज मिशन ड्रग्स फ्री अभियान के तहत डीएवी कपिलदेव में आयोजित एक सेमिनार में बोल रहे थे।

इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य एमके सिन्हा में आगंतुक अतिथियों का स्वागत किया और कहा कि आज विश्व में परिवार का अस्तित्व खतरे में है क्योंकि संस्कार युक्त और गुण युक्त शिक्षा खत्म हो गई है। बिना संस्कार युक्त शिक्षा गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा के देश अच्छा नहीं बन सकता। उन्होंने कहा कि भारत की पारिवारिक पृष्ठभूमि शुरू से सशक्त है । श्री सिन्हा ने कहा कि भारत को नशे से मुक्त होना चाहिए और मुक्ति के लिए बच्चों की अच्छी परवरिश आवश्यक है। उन्होंने

सेमिनार में बोलते अतिथि व उपस्थित अन्य। ● द फोटोन न्यूज

आदर्श जीवन शैली संस्कार युक्त और भय मुक्त शिक्षा पर जोर दिया।

मौके पर नारकोटिक्स सेल इंटेलिजेंस ब्यूरो के अशोक कुमार भगत ने कहा कि हमें हर परिस्थिति में नशे से बचना चाहिए और किसी भी प्रकार का नशा नहीं करना चाहिए क्योंकि नशे का बहुत बड़ा दुष्प्रभाव होता है यदि कोई अचानक बहुत खोया खोया रहे, उसके हाथों पर इंजेक्शन के कई निशान रहें, अचानक कोई बहुत शांत हो जाए या बार-बार कोई किसी से पैसा मांगे तो गंभीरता से लेते हुए जांच करनी चाहिए कि कहीं वह नशे का शिकार तो नहीं हो रहा है। उन्होंने बच्चों से कहा कि आपको नशा करने के लिए कोई आमंत्रित भी करें तो आप उसे इंकार कर दें और यदि आपके बीच कोई नशा करने लगा हो तो उसकी उपेक्षा न करें बल्कि उसके साथ प्रेम पूर्वक बर्ताव करें और नशा मुक्त होने तक उसका अवश्य सहयोग करें।

मौके पर डॉक्टर एन के पांडेय, नारकोटिक्स विभाग के सदस्य गण, वर्ग आठ,नौ,दस और बारह के छात्र-छात्राएं एवं शिक्षक गण मौजूद थे।

अरगड्डा वार्ड 13 की झोपड़ी बस्ती में श्री श्री हनुमान यज्ञ का आयोजन

151 महिलाओं, युवतियों ने निकाली कलश यात्रा

PHOTON NEWS RAMGARH

रामगढ़ नगर परिषद अरगड्डा वार्ड 13 के झोपड़ी बस्ती में श्री श्री हनुमान यज्ञ का आयोजन किया गया। इससे पूर्व 151 महिलाओं, युवतियों ने कलश यात्रा निकाली, जो अरगड्डा नोनाहीटाड़ दामोदर घाट से कलश में जलभर कर वापस यज्ञ स्थल लौटा।

यज्ञ में मुख्य रूप से श्रमिक नेता सुशील कुमार सिन्हा, पूर्व मुखिया दिवाकर प्रसाद सिंह उपस्थित हुए। यज्ञ पुजारी जीपी

कलश यात्रा में शामिल लोग। ● द फोटोन न्यूज

कैंप के शिव कुमार झा, सहयोगी विपिन दुबे थे। जबकि यजमान के रुप में उमेश भुईयां, रुबी देवी, संजय भुईयां, रीना देवी, सुरज भुईयां, मुनीता देवी, राजन भुईयां, रुबी देवी, गोपी भुईयां, संजू देवी शामिल रहे।

कलश भ्रमण यात्रा में भक्तों ने गेरुवा और पीले रंग के परिधान पहन रखे थे। हाथों में ध्वजा थामें जय श्री राम, जय हनुमान, हर हर महादेव के नारों से पूरा नगर क्षेत्र गूंज उठा। यज्ञ समिति के भक्तों ने बताया कि क्षेत्र में सुख, शांति और समृद्धि बनाए रखने के लिए यज्ञ अनुष्ठान किया गया हैं।

यह यज्ञ 28 अप्रैल को भंडारे के साथ संपन्न होगा। मौके पर राजेन्द्र नायक, रतन लाल ऋषि, नारायण भुइयां, रंजीत भुईयां, रंजन भुईयां, दिनेश नायक, मनबाबु नायक, गोपी भुईयां, छोटे भुईयां, आशीष कुमार, दिपक भुईयां, दीपू कुमार, रवि हांसदा, लक्की कुमार, बादल कुमार, करन कुमार समेत दर्जनों महिला, पुरुष, युवा भक्तजन उपस्थित थे।

अदाणी फाउंडेशन की पहल पर सरकारी स्कूलों में अभिभावकों की हुई बैठक

PHOTON NEWS GODDA

पोडैयाहाट प्रखंड के सोनडीहा गांव स्थित सरकारी विद्यालय में अदाणी फाउंडेशन के तत्वावधान में उत्क्रमित उच्च विद्यालय में अभिभावक-अध्यापक परिषद की बैठक आयोजित की गई। यहां तीन सौ से अधिक बच्चे पढ़ने आते हैं। बैठक में 50 से अधिक अभिभावकों ने भाग लिया, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं।

इस स्कूल की प्रधान शिक्षिका सुजाता कुमारी ने विद्यालय की विभिन्न गतिविधियों पर चर्चा करते हुए अभिभावकों से अपने बच्चों को निर्धारित समय पर स्कूल ड्रेस में विद्यालय भेजने का आग्रह किया। साथ ही बैठक में आए अभिभावकों को बच्चों के स्कूल से जुड़ी गतिविधियों के साथ बच्चों की शैक्षणिक स्थिति से अवगत कराया। शिक्षकों ने अभिभावकों से अपने घरों में भी अच्छे शैक्षिक वातावरण को बनाए रखने की सलाह दी, ताकि बच्चों का पढ़ाई में मन लगा रहे।

इस अवसर पर एसएमसी अध्यक्ष पंकज यादव ने अभिभावकों से बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने व बच्चों को नियमित रूप से स्कूल भेजने के लिए प्रेरित किया। बच्चों को रुबेला व खसरा के टीकाकरण को लेकर भी चर्चा किया गया।

बिहार में जातीय गणना पर सुनवाई से SC का इनकार, बेंच ने कहा

आप पटना हाईकोर्ट जा सकते हैं

REPORTER PATNA : बिहार में हो रही जातीय गणना पर रोक की मांग वाली याचिका पर सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट ने इनकार कर दिया है। कोर्ट ने कहा है कि आप पटना हाईकोर्ट जा सकते हैं। न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति टी एस नरसिम्हा की पीठ में आज इस मामले में सुनवाई हुई। बिहार में 7 जनवरी से जातीय गणना शुरू हुई है। 15 अप्रैल से इसके दूसरे चरण की शुरूआत हो चुकी है। इसके खिलाफ 21 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट में याचिका

दायर कर तत्काल सुनवाई की मांग की गई थी। उसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने 28 अप्रैल यानी आज की तारीख दी थी।

पटना हाईकोर्ट में 4 मई को सुनवाई : इधर, बिहार में जाति आधारित जनगणना के खिलाफ पटना हाईकोर्ट में एक साथ तीन जनहित याचिकाएं दायर की गई थी। याचिका में जाति आधारित जनगणना को रद्द करने की मांग की गई है। 18 अप्रैल को हाईकोर्ट ने अगली सुनवाई की तारीख 4 मई को दिया है।

याचिकाकर्ता का कहना है कि जाति आधारित जनगणना समाज में भेदभाव उत्पन्न कर सकता है। जिसकी वजह से समाज में तनाव बढ़ने की आशंका है। सुप्रीम कोर्ट के बाद 4 मई को पटना हाईकोर्ट में भी इस पर हियरिंग होनी है। याचिका में कहा गया है कि जनगणना कराना केंद्र सरकार का अधिकार क्षेत्र है, इसलिए बिहार सरकार का ये फैसला असंवैधानिक है।

पहले सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई से किया था इनकार

इससे पहले भी बीते 20 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट में जाति आधारित जनगणना को लेकर अपील हो चुकी है, जिसमें याचिका में यह कहा गया था कि आरक्षण को लेकर यह जनगणना करायी जा रही है। उस याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया था और कहा था कि आरक्षण के मसले पर सुप्रीम कोर्ट कोई हस्तक्षेप नहीं करेगी। बिहार में फिलहाल जातीय गणना कराने का काम जारी है। 15 मई तक इसे पूरा करने के बाद इस पर रिपोर्ट तैयार की जाएगी। अगर कोर्ट इस पर रोक लगाती है, तो जातिगत जनगणना के आंकड़ों को सार्वजनिक नहीं किया जाएगा।

आनंद मोहन रिहाई विवाद पर नीतीश ने भी बोल दिया

बीजेपी को दो टूक जवाब, पहले मांग, अब विरोध

REPORTER PATNA : पूर्व सांसद और बाहुबली नेता आनंद मोहन की रिहाई पर पहली बार सीएम नीतीश कुमार ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होने कहा कि आनंद मोहन की रिहाई कोई नई चीज नहीं है। ये सब पहले भी होता रहा है, ये कोई राजनीतिक चीज नहीं है। आनंद मोहन की आड़ में नीतीश ने बीजेपी पर हमला बोलते हुए कहा कि 2 महीने पहले तक यही बीजेपी आनंद मोहन की रिहाई की मांग करती थी। वहीं आज इसका विरोध कर रही है। ये बात नीतीश कुमार ने सिविल सेवा दिवस कार्यक्रम के बाद अधिवेशन भवन परिसर में मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए कही। आपको बता दें आनंद मोहन की रिहाई को लेकर बिहार में सियासत तेज है।

बीजेपी आनंद मोहन की रिहाई को नीतीश सरकार का हथकंडा करार दे रही है। और आनंद मोहन को बलि का बकरा बता रही है। नेता प्रतिपक्ष विजय सिन्हा ने कहा कि नीतीश सरकार ने आनंद मोहन की आड़ में गुंडाराज के पुरोधा रहे 27 अन्य लोगों को भी रिहा करा लिया है। जो बिहार में जंगलराज से गुंडाराज लाएंगे।

BJP का दामन थामते ही अजय आलोक का हमला, बोले

नीतीश पलटीमार, आनंद मोहन को छोड़ने के लिए बदला नियम

REPORTER PATNA : जदयू के पूर्व प्रवक्त अजय आलोक ने शुक्रवार को भाजपा का दामन थाम लिया। भाजपा में शामिल होने के बाद अजय आलोक ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर जुबानी हमला बोला है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार को बहुत लोग पलटीमार कहते हैं, जो बिल्कुल सही है।

भाजपा नेता अजय आलोक ने मीडिया से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने आनंद मोहन को रिहा करने के फैसले पर नीतीश कुमार को घेरा। उन्होंने कहा कि 87 साल बाद 2012 में नीतीश कुमार ने ही जेल मैन्युअल में संशोधन किया था। तब यह क्लॉज डाला था कि अगर सरकारी सेवक की हत्या होगी तो उसे कभी रिहा नहीं किया जाएगा। अजय आलोक ने आगे कहा कि नीतीश कुमार ने उस समय जेल मैन्युअल में बदलाव

किया, जिससे जेल से बाहर आने वाले अपराधी छूट न पाए। अब आनंद मोहन और बाकी कैदियों को उन्हें रिहा करना था, इसलिए उन्होंने फिर से संशोधन किया। कई दुर्दांत अपराधी को छोड़ा गया है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या अब दलितों की हत्या करने वालों को इसलिए छोड़ा जाएगा कि वो अमूक जाति से है।

आज ही भाजपा में शामिल हुए अजय आलोक

अजय आलोक ने आज ही दिल्ली स्थित भाजपा कार्यालय में भाजपा की सदस्यता ली। इस दौरान केंद्रीय मंत्री अश्वनी वैष्णव मौजूद रहे। पिछले साल जून में जदयू ने पार्टी से बाहर जाकर बयानबाजी करने पर अजय को जदयू से निकाल दिया था। पिछले कुछ महीनों से अजय आलोक के भाजपा में शामिल होने की चर्चा थी। वे लगातार सार्वजनिक मंच पर भाजपा के पक्ष में बोलते नजर आए। उन्होंने प्रधानमंत्री पर मल्लिकार्जुन खरगे के टिप्पणी करने पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी को घेरा था। उन्होंने कहा कि खरगे जी आप तो राहुल जी के चचा निकले। कहावत उल्टा करना होगा। छोटे मियां छोटे मियां बड़े मियां सुबहान अल्लाह।'

नौ माह बाद दिल्ली से पटना पहुंचे लालू प्रसाद

REPORTER PATNA : लालू प्रसाद यादव शुक्रवार को दिल्ली से पटना पहुंचे। उनकी एक झलक पाने के लिए पटना एयरपोर्ट पर बड़ी संख्या में आरजेडी कार्यकर्ता उपस्थित थे। लालू प्रसाद यादव के एयरपोर्ट से बाहर निकलते ही कार्यकताओं ने जमकर लालू प्रसाद के पक्ष में नारे लगाए। लालू प्रसाद ने भी अपने कार्यकर्ताओं का हाथ हिलाकर अभिवादन स्वीकार किया। पटना एयरपोर्ट पर अपने नेता की स्वागत के लिए पहुंचे आरजेडी कार्यकर्ताओं में काफी उत्साह देखने को मिला। पटना के सभी सीनियर नेता भी लालू प्रसाद के पटना पहुंचने पर काफी खुश दिखे। लालू प्रसाद करीब नौ माह बाद गुरुवार को पटना पहुंचे हैं।

सिंगापुर में किडनी ट्रांसप्लांट के बाद लालू प्रसाद पहली बार पटना पहुंचे हैं। उनके साथ दिल्ली से उनकी पत्नी राबड़ी देवी, बड़ी बेटी मीसा भारती और बड़ा बेटा तेजप्रताप यादव भी दिल्ली से पटना आए। लालू प्रसाद का 5

दिसंबर 2022 को किडनी ट्रांसप्लांट हुआ था। उनकी बेटी रोहिणी आचार्या ने ही उन्हें किडनी डोनेट की थी। सिंगापुर से ऑपरेशन के बाद लालू प्रसाद दिल्ली में अपनी बड़ी बेटी और राज्य सभा सदस्य मीसा भारती के यहां रह रहे थे।

बिहार के पूर्व सांसद और बाहुबली आनंद मोहन की हुई रिहाई के एक दिन बाद लालू प्रसाद पटना पहुंचे हैं। आनंद मोहन को लेकर बिहार में काफी सियासी हलचले बढ़ी हुई है। इस बीच लालू प्रसाद के पटना पहुंचने पर यह अनुमान लागाया जा रहा है कि आनंद मोहन को लेकर बिहार में सियासी तापमान और बढ़ेगा।

हाजीपुर में ट्रेन से 5 किलो सोने के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

PATNA : डीआरआई (राजस्व खुफिया निदेशालय) ने हाजीपुर में कामाख्या-गोमतीनगर सप्ताहिक एक्सप्रेस ट्रेन से 4 किलो 996 ग्राम विदेशी सोने के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। दोनों को हाजीपुर से पटना लाया गया और उनसे पूछताछ के बाद डीआरआई की टीम ने रिसीवर को भी उत्तर प्रदेश के गोरखपुर से गिरफ्तार कर लिया है। उसके पास से 40 लाख रुपये बरामद किए गए हैं।

न्यू जलपाईगुड़ी से गोरखपुर लेकर जाना था सोना : डीआरआई की यह कार्रवाई बुधवार को शुरू हुई। सूचना मिली कि म्यांमार से बुलियन तस्करी कर सोने की बड़ी खेप को भारत लाया गया है। इस खेप को गोरखपुर वाया कहीं और भेजना है। सूचना पुख्ता होने पर पता चला कि दो तस्कर सोना लेकर न्यू जलपाईगुड़ी रेलवे स्टेशन से ट्रेन में सवार हुए हैं। डीआरआई की टीम हाजीपुर में पहले से मौजूद थी। जैसे ही ट्रेन हाजीपुर पहुंची टीम ने ट्रेन से दोनों तस्करों को दबोच लिया और उनके पास से सोना भी बरामद कर लिया। पूछताछ के बाद दोनों तस्करों ने गोरखपुर में मौजूद रिसीवर के बारे में जानकारी दी। गुरुवार को टीम वहां पहुंची और रिसीवर को भी गिरफ्तार कर लिया।

तीनों की निशानदेही पर कई और की तलाश : डीआरआई ने तीनों की पहचान उजागर नहीं की है। इनकी निशानदेही पर गैंग के कुछ अन्य तस्करों की पहचान की जा रही है। इसके पूर्व भी डीआरआई ने पटना में मुंबई जाने वाली ट्रेन से सोना तस्करों को गिरफ्तार किया था। सोना भी बरामद हुआ।

किंग महेंद्र के भाई के काफिले पर हमला, 6 से अधिक लोग घायल, गाड़ियों के शीशे तोड़े

REPORTER JAHANABAD : पूर्व राज्यसभा सांसद किंग महेंद्र के भाई के काफिले पर शुक्रवार को हमला हो गया। हमले में गाड़ी में बैठे छह से अधिक लोग घायल हो गए। वहीं, छह से सात गाड़ियों के शीशे क्षतिग्रस्त हो गए।

जानकारी के अनुसार, दिवगंत नेता किंग महेंद्र के भाई व अरिस्टो कंपनी के एमडी भोला बाबू के काफिले पर घोसी थाना क्षेत्र के भारथु गांव के समीप कुछ लोगों ने हमला कर दिया। अचानक हुए पथराव से अफरातफरी का माहौल कायम हो गया।

पथराव में भोला बाबू बाल-बाल बच गए। हालांकि, काफिले में शामिल छह गाड़ियों के शीशे क्षतिग्रस्त हो गए। गाड़ियों में बैठे आधा दर्जन लोग चोटिल हो गए। वहीं, काफिले में शामिल एक पुलिस गाड़ी का शीशा भी क्षतिग्रस्त हो गया और चालक समेत एक सिपाही चोटिल हो गया।

बताया जा रहा है कि भारथू गांव के हाईस्कूल में शिक्षक सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजन किया गया था, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में भोला

गाड़ियों पर मारे गए पत्थर से टूटा शीशा।

बाबू को बुलाया गया। कार्यक्रम में शामिल होने के लिए भोला बाबू जहानाबाद से भारथू गांव के लिए निकले। भारथू पंचायत भवन के समीप पहुंचने पर गांव के ही कुछ लोग काफिले के सामने आकर काला झंडा दिखाने लगे। समर्थकों ने उन्हें सामने से हटाने की कोशिश की तो, लोगों ने मारपीट और पथराव शुरू कर दिया। पथराव में छह गाड़ियों के शीशे क्षतिग्रस्त हो गए। हमला करने वालों को समर्थकों समेत पुलिस ने खदेड़कर भगाया। मारपीट और पथराव में विरोधी पक्ष से भी चार-पांच लोगों के चोटिल होने की सूचना है लेकिन सभी गांव से फरार हो गए हैं।

ठेकेदारी के विवाद में हमला करने की आशंका

वारदात की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। बताया जा रहा है कि ठेकेदारी के विवाद में काफिले पर हमला किया गया है। काफिले में शामिल 20 गाड़ियों में से सात गाड़ियों के शीशे पथराव में क्षतिग्रस्त हो गए हैं। काफिले में शामिल पुलिस की गाड़ियां भी क्षतिग्रस्त हुई हैं। इधर, पुलिस ने घटना की छानबीन शुरू कर दी है।

पान दुकानदार निकला डॉक्टर को इश्क के जाल में फंसाने वाला

शारीरिक संबंध बनाकर हो गया फरार

REPORTER PATNA : बिहार की राजधानी पटना में एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि एक महिला डॉक्टर को एक युवक से प्यार हो गया। दोनों राजधानी में पति-पत्नी की तरह रहने लगे। इस दौरान महिला डॉक्टर ने युवक पर लाखों रुपये खर्च भी किये। लेकिन, करीब एक-डेढ़ साल साथ में रहने के दौरान युवक ने एग्जीबिशन रोड के एक होटल में शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाया। इसके बाद युवक ने शादी से इंकार कर दिया और फरार हो गया। आरोपी युवक ने महिला को एक बड़े कंपनी में अधिकारी होने बात कही। बाद में, पता चला कि वो पान बेचता था।

शादी के लिए तैयारी थी महिला : महिला डॉक्टर ने बताया कि आरोपी युवक उसके साथ करीब डेढ़ साल तक लीव एन रिलेशनशिप में रहने के दौरान कभी ये पता नहीं चल सका कि वो पान की दुकान चलाता है। वो अपने ऑफिस के बारे में भी तरह-तरह की बात करता था। कई बार ऑफिस ले जाने या ऑफिस के दोस्तों के साथ मिलाने की कहने पर वो टाल देता था। हालांकि, उसके काम के बारे में जानकारी मिल जाने के बाद भी, महिला उससे शादी करने को तैयार थी। लेकिन, युवक ने उसके सारे नंबर को ब्लॉक कर दिया।

महिला डॉक्टर गुरुवार को डीएसपी विधि-व्यवस्था से शिकायत की। आरोपी युवक ने महिला डॉक्टर से शादी करने से इंकार करने के बाद मोबाइल स्विच ऑफ कर दिया।

शिक्षा विभाग व LNMU से जवाब तलब, अगली सुनवाई 27 जून को

पटना हाईकोर्ट ने शारदा सिन्हा को पेंशन देने का दिया निर्देश

REPORTER PATNA : पटना हाईकोर्ट ने बिहार कोकिला के नाम से मशहूर लोक गायिका शारदा सिन्हा को उनकी सेवानिवृत्ति के बाद पेंशन नहीं देने के मामले में शिक्षा विभाग एवं ललित नारायण मिथिला यूनिवर्सिटी से जवाब तलब किया है। न्यायाधीश पूर्णेंदु सिंह की एकलपीठ ने उनकी पेंशन का भुगतान फौरन किए जाने का निर्देश दिया है। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता विकास कुमार ने कोर्ट को बताया कि 1979 में याचिकाकर्ता की नियुक्ति ललित

नारायण मिथिला यूनिवर्सिटी में बतौर संगीत शिक्षिका के तौर पर हुई थी और वह समस्तीपुर स्थित महिला महाविद्यालय से 2017 में रिटायर हुई थीं।

उसके बाद विश्वविद्यालय शिक्षकों की नियुक्तियों में गड़बड़ी पाते हुए एक जांच बिठाई गई। इसमें सात लोगों की नियुक्तियों में गड़बड़ी पाई गई। जांच में शारदा सिन्हा का भी नाम आया लेकिन इसका कोई आधार नहीं है। कोर्ट ने उच्च शिक्षा निदेशक को आदेश दिया कि प्रख्यात लोक गायिका शारदा सिन्हा की पेंशन का फौरन भुगतान किया जाए। इस मामले की अगली सुनवाई 27 जून को होगी।

पद्मभूषण से हैं सम्मानित : गायिका शारदा सिन्हा को भारत सरकार द्वारा पद्मश्री और पद्मभूषण पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है। उन्होंने हिंदी, भोजपुरी, मैथिली समेत तमात भाषाओं में गीत गाए हैं। छठ का पर्व तो शारदा सिन्हा के गीतों के बिना अधूरा माना जाता है।

BRIEF NEWS

यूट्यूबर मनीष कश्यप पर अब 8 मई को सुनवाई तमिलनाडु सरकार ने SC से मांग लिया और समय

PATNA : यूट्यूबर मनीष कश्यप का मामला एक बार फिर टल गया है। इस मामले में आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई, लेकिन मनीष कश्यप को कोई राहत नहीं मिली। सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार से पूछा था कि मनीष पर एनएसए क्यों लगाया गया है। तमिलनाडु सरकार ने कोर्ट से जवाब देने के लिए और समय मांगा है। अब इस मामले में 8 मई को सुनवाई होगी। मनीष कश्यप के वकील एपी सिंह ने जमानत, एनएसए हटाने की मांग के साथ सभी केस एक जगह क्लब करने की मांग की है।

सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार को नोटिस जारी किया था : पिछली सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार को नोटिस जारी किया था। कोर्ट ने पूछा है कि मनीष पर ठरअ क्यों लगाया गया है। दरअसल, बिहार और तमिलनाडु में मनीष कश्यप के खिलाफ दर्ज सभी केस को क्लब किए जाने की मांग को लेकर एक अपील सुप्रीम कोर्ट में दायर की गई थी। क्योंकि, सारे केस के पीछे की वजह तमिलनाडु में बिहारियों की पिटाई का फर्जी वीडियो वायरल किए जाने का मामला है। वकील एपी सिंह की तरफ से एक याचिका मनीष कश्यप के पक्ष में 5 अप्रैल को ही सुप्रीम कोर्ट में दायर की गई थी। इसी याचिका के जरिए जल्द सुनवाई करते हुए मनीष कश्यप के ऊपर दर्ज सारे केस को एक जगह पर किए जाने की मांग गई थी.

10 अप्रैल को ही सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होनी थी : इस याचिका पर 10 अप्रैल को ही सुप्रीम कोर्ट के डबल बेंच की तरफ से सुनवाई की जानी थी। मगर, किसी कारण से सुनवाई हो नहीं सकी। इसके बाद सुनवाई 19 अप्रैल को हुई थी। उस दिन सुप्रीम कोर्ट की तरफ से इस मामले में बिहार और तमिलनाडु की सरकार को नोटिस जारी कर जवाब देने को कहा गया था। बिहार में आर्थिक अपराध इकाई ने मनीष पर कुल 4 केस दर्ज किए हैं। इनमें तीन केस तमिलनाडु प्रकरण में फर्जी वीडियो को वायरल करने से जुड़े हैं, जबकि, इसी मामले में तमिलनाडु पुलिस ने कुल 13 केस दर्ज कर रखा है। इनमें 6 केस में मनीष कश्यप नामजद है।

किशनगंज में परिवहन विभाग के अधिकारी के घर छापा, आय से अधिक संपत्ति रखने का मामला

PATNA : किशनगंज के हलीम चौक स्थित परिवहन विभाग के प्रवर्तन अवर निरीक्षक विकास कुमार के निजी आवास पर पटना से आयी निगरानी विभाग की टीम ने आय से अधिक सम्पति के मामले में छापेमारी कर रही है. साथ ही किशनगंज स्थित उनके कार्यालय सहित लखीसराय में उनके पैतृक आवास, देवघर में फ्लैट में ठिकानों की तलाशी ले रही है. किशनगंज में उनके आवास पर छापेमारी में 80 हजार रुपये कैश, 8 एटीएम कार्ड बरामद, कई बैंक खाते, एलआईसी के बॉन्ड बरामद किए गये है।

एक करोड़ 36 लाख का आय से अधिक संपत्ति का मामला बना : प्रवर्तन अवर निरीक्षक विकास कुमार के खिलाफ पटना के निगरानी थाने में मामला दर्ज करवाया गया था। उसके बाद जांच में उनके खिलाफ एक करोड़ 36 लाख का आय से अधिक संपत्ति का मामला बना। इसके लिए निगरानी थाना कांड संख्या 19/2023 दर्ज किया गया। उसके आलोक में न्यायालय से वारंट निर्गत कर आज एक साथ पांच जगहों पर तलाशी लिया जा रहा है। निगरानी विभाग पटना के डीएसपी शिव कुमार साह ने बताया कि विकास कुमार जो प्रवर्तन अवर निरीक्षक परिवहन विभाग किशनगंज है उनके खिलाफ निगरानी में परिवाद दिया गया था। जांच किया तो एक करोड़ 36 लाख का आय से अधिक संपत्ति का मामला बना। इसके लिए निगरानी थाना कांड संख्या 19/2023 दर्ज किया गया।

उनके कार्यालय में तलाशी ली जा रही है : उन्होंने बताया कि उसी केस के आलोक में न्यायालय से वारंट निर्गत कर आज एक साथ पांच जगहों पर तलाशी लिया जा रहा है। इसमें लक्खीसराय में पैतृक आवास में दो जगह, देवघर में फ्लैट, किशनगंज में उनका किराया का मकान व उनके कार्यालय में तलाशी ली जा रही है। यहां 80 हजार केश, आठ एटीएम कार्ड, एलआईसी और बैंक एकाउंट मिले है। आगे अनुसंधान किया जा रहा है। टीम में डीएसपी अरुणोदय पांडेय, शिव कुमार साह, इंस्पेक्टर मिथलेश जायसवाल, संजीव कुमार, अवर निरीक्षक अविनाश झा, अवर निरीक्षक दिवाकर कुमार दिनकर व सिपाही सुजीत कुमार शामिल हैं।

बिहार में शिक्षकों के लिए नया वेतनमान तय

PATNA : बिहार सरकार ने शिक्षकों का नया वेतनमान तय कर दिया है। काफी दिनों से इसको लेकर शिक्षक अभ्यर्थी उम्मीद लगाए बैठे थे। सरकार ने शुक्रवार को बिहार सरकार राज्य में नए नियम के तहत शिक्षक बनने वालों के लिए अलग अलग स्लैब में वेतन निर्धारण कर दिया। शिक्षा विभाग की ओर से भी इसपर आज मुहर लगा दी है। इसके साथ ही शिक्षकों की सैलरी का स्लैब तय कर दिया है। इसके लिए स्लैब को चार श्रेणी में बांटा गया है। जिसमें सबसे कम वेतन 25 हजार और सबसे ज्यादा 32 हजार रुपए तय किए गए हैं।

वर्ग 1- 5वीं के टीचरों को 25 हजार मासिक, वर्ग 6- 8वीं के टीचरों को 28 हजार मासिक, वर्ग 9- 10वीं के टीचरों को 31 हजार मासिक, वर्ग 11- 12वीं को 32 हजार रुपया।

बाइक सवार दंपति को बदमाशों ने गोलियों से भूना, दोनों की हुई मौत

JAMALPUR (MUNGAR) : नया रामनगर थाना क्षेत्र के एनएच-80 स्थित चंदनपुरा पोखर के पास शुक्रवार की सुबह दो बाइक पर सवार चार बदमाशों ने दंपति को गोलियों से भून दिया। दिनदहाड़े हुई इस वारदात में पति की मौत मौके पर ही हो गई जबकि गंभीर हालत में पत्नी को सदर अस्पताल लाया गया, जहां इलाज के दौरान उसने भी दम तोड़ दिया। सुबह-सुबह इतनी बड़ी वारदात होने के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही सदर एसडीपीओ राजेश कुमार, नया रामनगर थानाध्यक्ष, मुफस्सिल पुलिस और सफियासराय की पुलिस पहुंची। घटनास्थल पर बैग में मिले आधार कार्ड से मृतकों की शिनाख्त हुई। पुलिस ने घटना की सूचना परिवार वालों को दी। दो बच्चों के सिर से माता-पिता का साया उठ गया। मृतकों की पहचान सफियासराय ओपी क्षेत्र के इंद्ररुख पश्चिम पंचायत निवासी इंश्योरेंस का काम करने वाले आशीष राज और बरियारपुर प्रखंड के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में नर्स पद पर कार्यरत सुनीता देवी के रूप में हुई। दोनों पति-पत्नी हैं। हर दिन की तरह शुक्रवार की सुबह भी आशीष पत्नी सुनीता को बाइक से स्वास्थ्य केंद्र छोड़ने जा रहे थे। चंदनपुरा पोखर के पास पहुंचे तो दो बाइक पर सवार बदमाशों ने ओवरटेक कर रुकने का इशारा किया। जब आशीष राज नहीं रुके तो बाइक सवार बदमाशों ने सुनीता देवी को एक के बाद तीन गोलियां मार दीं।

तीर्थ नगरों का विकास

नरेंद्र मोदी सरकार ने तीर्थाटन व पर्यटन पर अत्यधिक जोर दिया। इस विषय को प्राथमिकता में शामिल किया। अनेक सर्किट का निर्माण चल रहा है। उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी इस दिशा में प्रभावी कदम उठा रहे हैं। नगर निकाय चुनाव के तीसरे दिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आगरा मंडल में तीन रैलियां कर भाजपा के पक्ष में वोट मांगा। मुख्यमंत्री ने मथुरा-वृंदावन, फिरोजाबाद व आगरा में भाजपा की शहर की सरकार बनाने का आह्वान किया। वर्तमान सरकार ने मथुरा-वृंदावन नगर निगम व ब्रज तीर्थ विकास परिषद के गठन से विकास को गति दी। छह वर्ष पहले सरकार ने मथुरा वृंदावन नगर निगम और फिर ब्रज तीर्थ विकास परिषद के गठन ने समग्र विकास की कार्ययोजना को बढ़ाने का कार्य किया। आज यहां बत्तीस हजार करोड़ रुपये की परियोजनाएं चल रही हैं, जिस दिन ये योजनाएं धरातल पर उतर जाएंगी, उस दिन यहां द्वापर युग की भव्यता और दिव्यता दिखाई देगी। जवाहरबाग कभी गुंडागर्दी का अड्डा बना हुआ था। आज स्थिति सबके सामने है। पहले कोसी कला में दंगा होता था। आज यहां पेप्सिको का प्लांट लग चुका है। जिस मथुरा-वृंदावन में कभी मांस-मदिरा की बिक्री होती थी, उस पर पूरी तरह से रोक लगा दी गई है। चौरासी कोसी परिक्रमा केवल अयोध्या में ही नहीं ब्रज में भी होने जा रही है। नगर निगम बनने के बाद अब मथुरा के नवनिर्माण की दिशा में कार्य हो रहे हैं। जैसे काशी में काशी विश्वनाथ धाम बन गया। ऐसे ही बांके बिहारी के धाम का कार्य आगे बढ़ना चाहिए। विकास के लिए विजन और योग्य नेतृत्व चाहिए। देश में कांग्रेस और प्रदेश में समाजवादी पार्टी के फेल इंजन यूपी के विकास को पीछे ले जा रहे थे। प्रदेश के दो करोड़ युवाओं को मौजूदा सरकार टैबलेट और स्मार्ट फोन उपलब्ध करा रही है। सेफ सिटी, इंट्रीग्रेटेड कमांड और कंट्रोल सेंटर हैं। हंट सिटी सर्विलांस के माध्यम से ट्रैफिक, स्वाथ्य और स्वच्छता के कार्यक्रम को आगे बढ़ा रहे हैं। नगर सृजन योजना के तहत नगर निगम फिरोजाबाद का विस्तार और नगर पंचायत मक्खनपुर का सृजन हुआ है। अमृत मिशन के तहत सवा तीन सौ करोड़ रुपए की पांच परियोजनाएं स्वीकृत हुई हैं। हर घर नल की 27 करोड़ की परियोजना पूरी होने पर चौदह हजार घरों को स्वच्छ पेयजल मिलने लगेगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति दी। यह नीति भारत और यूपी के टैलेंट को टेक्नोलॉजी और ट्रेनिंग के साथ जोड़कर स्थानीय स्तर पर नौकरी उपलब्ध कराने का बहुत अच्छा माध्यम बनेगी। आगरा ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के लिए जानी जाती है। छत्रपति शिवाजी ने विदेशी आक्रांताओं को यहीं पर चुनौती देने का काम किया था। वर्तमान सरकार ने उनके नाम पर म्यूजियम बनवाने का काम किया। भारत बदल चुका है। जहां भी गुलामी का अंश होगा उससे मुक्ति पाने का उपाय करेंगे। बृज क्षेत्र भी सज और संवर रहा है। चित्रकूट से लेकर गोवर्धन तक हर जगह काम चल रहा है। वर्ष के अंत तक पब्लिक ट्रांसपोर्ट की बेहतरीन सुविधा आगरा मेट्रो ट्रेन का संचालन भी शुरू हो जाएगा। आगरा मेट्रो सिटी भी हो जाएगी। सैंतीस वर्ष बाद आगरा नगर निगम की सीमा का विस्तार भी किया गया है। आयुष्मान योजना, वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, शौचालय, उज्ज्वला योजना, किसान सम्मान निधि का लाभ भी सबका साथ- सबका विकास, सबका विश्वास-सबका प्रयास की तर्ज पर बिना भेदभाव के दिलाया जा रहा है। योगी ने कहा कि यहां के कण कण में बिहारी जी और राधा जी का दर्शन होता है। इसीलिए पूरी दुनिया से लोग यहां आते हैं। मथुरा की सात्विकता, वैष्णो भाव, पवित्रता को देखकर दुनिया को भक्ति की शक्ति की अनुभूति होती है। वर्तमान सरकार यहां की परम्परा व संस्कृति की उन्नति के लिए कार्य कर रही है मथुरा, वृन्दावन, बरसाना बलदेव, गोवर्धन, गोकुल को तीर्थस्थल का दर्जा दिया गया है। इनके विकास हेतु ब्रज तीर्थ विकास परिषद का गठन किया गया है। भक्ति में शक्ति होती है, इसी का परिणाम है कि अयोध्या में भव्य राम मन्दिर के निर्माण का मार्ग प्रशस्त हुआ। योगी सरकार ने परम्पराओं से जुड़ने का कार्य किया है। काशी में देव दीपावली, प्रयागराज में कुम्भ शक्तिपीठों में शारदीय व बासंतीय नवरात्रि, गंगा यमुना की आरती का कार्यक्रम शुरू किया है। गंगाजी को निर्मल और अविरल बनाने का कार्य किया गया है। इसी तरह यमुना जी पूरी तरीके से निर्मल होंगी। सरकार ब्रज क्षेत्रवासियों को शुद्ध व मीठा पेयजल उपलब्ध करायेगी। इसके लिए कार्य योजना तैयार की गयी है। जल संचयन हेतु तालाबों का पुनरुद्धार किया जा रहा है। गोवर्धन जी के परिक्रमा क्षेत्र को विकसित करने के लिए एक सौ सत्रह करोड़ रुपए की धनराशि स्वीकृत की गयी है। गोवंश को संरक्षित करने का कार्य वर्तमान सरकार ने किया है। दुग्ध की गुणवत्ता बेहतर बनाने के प्रयास किये जा रहे हैं। टीकाकरण के बाद इन गोवंशों को ईयरटैग किया जा रहा है। निराश्रित गोवंश को संरक्षण देने वालों को राज्य सरकार द्वारा नौ सौ रुपये प्रतिमाह प्रति गोवंश दिया जा रहा है। गोवंश के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए गौ आश्रय स्थल बनाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने बरसाना स्थित श्री माताजी गौशाला में श्री श्याम लक्ष्मी गऊ चिकित्सालय एवं अनुसंधान केन्द्र का उद्घाटन किया था। योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या को हिंदुओं की आस्था के सबसे महत्वपूर्ण स्थल के रूप में विकसित करने का संकल्प लिया था, जो साकार हो रहा है। भाजपा सरकार ने मथुरा-वृंदावन के पुराने गौरव को लौटाने के लिए सभी प्रमुख योजनाओं में इस क्षेत्र को रखा है। कृष्ण जन्मोत्सव शुरू कर इसकी वैश्विक पहचान को बढ़ाने के साथ ही जन्मभूमि क्षेत्र के दस किमी की परिधि के दायरे को तीर्थस्थल घोषित कर अपने संकल्प को पूरा किया है। अयोध्या की ही तर्ज पर आज कान्हा की नगरी भी सज और संवर रही है।

जैव विकास में दशावतार की अवधारणा और डार्विन

MY STORY

प्रमोद भार्गव

मानव प्रजाति के विकास क्रम में चार्ल्स डार्विन के सिद्धांत के अनुसार माना जाता है कि मानव बंदर की एक प्रजाति का विकसित रूप है। तब नरसिंह अवतार की अवधारणा के अनुरूप यह भी कहा जाता है कि मनुष्य सिंहनी का विकसित रूप है? डार्विन के सिद्धांत से कहीं ज्यादा मनुष्य के जैविक विकास की यह अवधारणा ज्यादा तार्किक है। क्योंकि दशावतारों की भौतिकवादी अवधारणा के अंतर्गत नरसिंह की अवधारणा जीव-जगत के विकास क्रम की श्रृंखला से जुड़ी है। इस धारणा के अनुसार पहले मत्स्यातवार हुआ यानी जल में जीवन की उत्पत्ति हुई। विज्ञान भी इस तथ्य से सहमत है कि जीव-जगत में पहला जीवन रूप पानी में विकसित हुआ। दूसरा अवतार कच्छप हुआ, जो जल और भूमि दोनों स्थलों पर रहने में समर्थ था। तीसरा वराह हुआ, जो पानी के भीतर से जीव के धरती की ओर बढ़ने का संकेत है, अर्थात पृथ्वी को जल से मुक्त करने का प्रतीक है। चौथा नरसिंह अवतार है, जो इस तथ्य का प्रतीक है कि जानवर से मनुष्य विकसित हो रहा है।

एनसीईआरटी अर्थात राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम से नवीं एवं दसवीं कक्षाओं की विज्ञान पुस्तकों से चार्ल्स डार्विन के जैव विकास के सिद्धांत को हटा दिए जाने पर विवाद गहरा रहा है। देश के लगभग 1800 वैज्ञानिक और शिक्षकों ने एनसीईआरटी की इस पहल की आलोचना करते हुए इसे शिक्षा के क्षेत्र में बड़ा उपहास बताया है। दरअसल भारत के बुद्धिजीवियों का एक वर्ग जब भी किसी पाश्चात्य सिद्धांत या इतिहास के भ्रामक प्रसंगों को हटाए जाने की बात छिड़ती है तो उसके पक्ष में उठ खड़े होते हैं। जबकि चार्ल्स डार्विन ने जब जीवों के विकासवाद का अध्ययन करने के बाद 1859 में ह्यऑरिजिन ऑफ स्पीशीजह्व अर्थात ह्यजीवोत्पत्ति का सिद्धांतह्व दिया तब इसका ईसाई धर्मावलंबियों और अनेक ईसाई वैज्ञानिकों ने जबरदस्त विरोध किया था। क्योंकि इसमें मनुष्य का अवतरण बंदर से बताया गया था। अलबत्ता जब यही अवधारणा भारतीय ऋषियों ने भगवान विष्णु के दशावतारों के रूप में दी तो इसका वर्णन प्राचीन संस्कृत के प्रमुख ग्रंथों में समाविष्ट किया गया और जैव विकास एवं आनुवंशिकता के इस विज्ञान को मंदिरों की दीवारों पर उकेरा गया। जबकि इसमें सिंह से मनुष्य के संक्रमण को प्रतिपादित किया है।

मानव प्रजाति के विकास क्रम में चार्ल्स डार्विन के सिद्धांत के अनुसार माना जाता है कि मानव बंदर की एक प्रजाति का विकसित रूप है। तब नरसिंह अवतार की अवधारणा के अनुरूप यह भी कहा जाता है कि मनुष्य सिंहनी का विकसित रूप है? डार्विन के सिद्धांत से कहीं ज्यादा मनुष्य के जैविक विकास की यह अवधारणा ज्यादा तार्किक है। क्योंकि दशावतारों की भौतिकवादी अवधारणा के अंतर्गत नरसिंह की अवधारणा जीव-जगत के विकास क्रम की श्रृंखला से जुड़ी है।

इस धारणा के अनुसार पहले मत्स्यातवार हुआ यानी जल में जीवन की उत्पत्ति हुई। विज्ञान भी इस तथ्य से सहमत है कि जीव-जगत में पहला जीवन रूप पानी में विकसित हुआ। दूसरा अवतार कच्छप हुआ, जो जल और भूमि दोनों स्थलों पर रहने में समर्थ था। तीसरा वराह हुआ, जो पानी के भीतर से जीव के धरती की ओर बढ़ने का संकेत है, अर्थात पृथ्वी को जल से मुक्त करने का प्रतीक है। चौथा नरसिंह अवतार है, जो इस तथ्य का प्रतीक है कि जानवर से मनुष्य विकसित हो रहा है। आधा मनुष्य, आधा सिंह शरीर संक्रमण का प्रतिबिंब है। इसके बाद पांचवां अवतार वामन के रूप में है, जो मानव का लघु रूप है। सृष्टि के आरंभ में मनुष्य बौने रूप में ही अस्तित्व में आया था। 45 लाख साल पुराने स्त्री और पुरुष के जो जीवाश्म मिले हैं, उनकी ऊंचाई दो से ढाई फीट की है। वामन के बाद परशुराम हैं, जो मनुष्य का संपूर्ण विकसित रूप है। इसी समय से मानव जीवन को व्यवस्थित रूप में बसाने के लिए वनों को काटकर घर-निर्माण की तकनीक को अभिव्यक्त करता है। परशुराम के हाथ में फरसा इसी परिवर्तन का प्रतीक है। सातवें अवतार में राम का धनुष बाण लिए प्रकटीकरण इस बात का संकेत है कि मनुष्य मानव बस्तियों के दूर रहकर सुरक्षा करने में सक्षम व दक्ष हो चुका था। आठवें अवतार बलराम हैं, जो कंधे पर हल लिए हुए है। यह स्थिति मानव सभ्यता के बीच कृषि आधारित अर्थव्यवस्था के विकास को इंगित करता है। कृष्ण मानव सभ्यता के ऐसे प्रतिनिधि हैं, जो नूतन सोच का दर्शन देते हैं। दसवां, कल्कि ऐसा काल्पनिक अवतार है, जो भविष्य में होना है। इसे हम कलियुग अर्थात कलपुर्जों के युग से जोड़कर देख सकते है। ब्रिटेन के जेबीएस हल्डेन नामक शरीर, आनुवंशिकी और विकासवादी जीव विज्ञानी हुए हैं। गणित और सांख्यिकी के भी ये विद्वान थे। हल्डेन नास्तिक किंतु मानवतावादी थे। इन्होंने प्रकृति विज्ञान पर भी काम किया है। हल्डेन राजनीतिक असहमतियों के चलते ब्रिटेन छोड़कर भारत आ गए। भारत में वे पहले सांख्यिकीय आयोग के सदस्य बने और प्राध्यापक भी रहे। हल्डेन ने जब भारत के मंदिरों में जैव व मानव विकास से जुड़ी मूर्तियों का अध्ययन किया तब उन्होंने पहली बार व्यवस्थित क्रम में अवतारों की बीती सदी के चौथे दशक में व्याख्या की। हल्डेन ने जैविक विकास के तथ्य पाए और अपनी पुस्तक द कॉजेज ऑफ ओव्यूलेशन में इन्हें रेखांकित किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि विज्ञान जीव की उत्पत्ति समुद्र में मानता है। इस नाते इस तथ्य की अभिव्यक्ति मत्स्यावतार में है। कूर्म यानी कछुआ जल व जमीन दोनों पर रहने में समर्थ है, इसलिए यह उभयचर कूर्मावतार के रूप में सटीक मिथक हैं। अंडे देने वाले सरीसृपों से ही स्तनधारी प्राणियों की उत्पत्ति मानी जाती है। इस नाते इस कड़ी में वराह अवतार की सार्थकता है। नरसिंह ऐसा विचित्र अवतार है, जो आधा वन्य प्राणी और आधा मनुष्य है। इस विलक्षण अवतार की परिकल्पना से यह स्पष्ट होता है कि मनुष्य का विकास पशुओं से हुआ है। यह लगभग वही अवधारणा है, जो चार्ल्स डार्विन ने प्रतिपादित की है। हल्डेन ने मानवीय अवतारों में वामन को सृष्टि विकास के रूप में लघु मानव (हॉबिट) माना है। परशुधारी परशुराम को वे पूर्ण आदिम पुरुष मानते हैं। राम सामंती मूल्यों को सैद्धांतिकता देने और सामंतों के लिए भी एक आचार संहिता की मयार्दा से अवध करते हैं। हल्डेन बलराम को महत्व नहीं देते, किंतु कृष्ण को एक बौद्धिक पुरुष की परिणति के रूप में देखते हैं। सृष्टिवाद से जुड़ी इतनी सटीक व्याख्या के बावजूद हल्डेन की इस अवधारणा को भारतीय विकासवादियों व जीव विज्ञानियों ने कोई महत्व नहीं दिया। क्योंकि उनकी आंखों पर पाश्चात्य-वामपंथी वैचारिकता का चश्मा चढ़ा था, दूसरे वे मैकाले की इस धारणा के अंध अनुयायी हो गए थे कि संस्कृत ग्रंथ तो केवल पूजा-पाठ की वस्तु और कपोल-कल्पित है। डार्विन के विकासमत का विरोध आरंभ से ही हो रहा है। अंतरिक्ष वैज्ञानिकों ने तो यह मत व्यक्त किया है कि जीव या मनुष्य पृथ्वी पर किसी दूसरे लोक या दूसरे ग्रह से आकर बसे। जैसे कि आजकल एलियन को सृष्टि का जनक बताया जा रहा है। 1982 में प्रसिद्ध अंतिरक्ष वैज्ञानिक फ्रायड हायल ने यह सिद्धांत प्रतिपादित करके दुनिया को आश्चर्य और संशय में डाल दिया कि किन्हीं अंतरिक्षवासियों ने सुदूर प्राचीन काल में पृथ्वी को जीवन पर स्थापित किया। डार्विन के बंदर से मनुष्य की उत्पत्ति के विकासवादी सिद्धांत को हायल ने बड़ी चुनौती दी हुई है। हायल ने रॉयल इंस्टीट्यूट लंदन में आयोजित हुई वैज्ञानिकों की गोष्ठी में इस सिद्धांत का रहस्योद्घाटन करते हुए कहा था कि जीवन की रासायनिक संरचना इतनी जटिल है कि वह क्रमिक या आकास्मिक घटनाओं से उत्सर्जित नहीं हो सकती है। जैसा कि विकासवादी विश्वास करते है। जीव की उत्पत्ति ब्रह्मांड के ध्रुव सिद्धांतों के अनुसार हुई है। यह सिद्धांत भारतीय दर्शन के जीवोत्पत्ति के पांच तत्वों धरती, आकाश, अग्नि, वायु और जल के दर्शन के निकट है। इस विषय पर हायल की एव्यूलेशन फ्रॉम स्पेस पुस्तक भी है। अवतारों के इस जैव-विकास के क्रम में जहां क्रमशः सृजनात्मकता है, वहीं जीव-विज्ञान संबंधी तार्किक सुसंगति भी है। हालांकि सिंह से मनुष्य के विकसित रूप को अवतारवादी अवधारणा के विरोधी यह तर्क देते हैं कि मनुष्य व चिपैंजी के डीएनए में आनुवांशिक स्तर पर 96 प्रतिशत समानता मानी जाती है। लेकिन इसी प्रजाति के गोरिल्ला और वनमानुष (ओरांगऊंटान) से इस रिश्ते में बहुत बड़ा अंतर है। जीव विज्ञानी यह मानते हैं कि दस लाख साल पहले ही मनुष्य में चिपैंजी से कुछ गुण विकसित हुए थे। इन गुणों में उम्र अधिक होना और बचपन की अवधि बड़ी हो जाना माने जाते हैं। पहले दोनों प्राणियों में इन गुणों में ज्यादा अंतर नहीं था। चिपैंजी से मनुष्य जीवन की उत्पत्ति संबंधी अनुसंधान में सबसे बड़ी खलने वाली कमी यह है कि पूर्वज जीवों या आदिम अणुओं के जीवाश्म नहीं मिल पा रहे हैं। जब महारसायन अर्थात डीएनए के आदिम जीवाश्म आधिकारिक रूप से मिले ही नहीं हैं तो डार्विन कैसे कह सकते हैं कि कथित बंदर से मनुष्य की उत्पत्ति हुई? हालांकि डार्विन के विकासवाद को प्रमाणित करने वाले जैविक विश्व में प्रकृति चयन, अनुकूलन और प्रजाति सृजन के अनेक प्रमाण मिलते हैं, लेकिन बंदर से मनुष्य की उत्पत्ति सिद्ध करने के लिए इन प्रमाणों को पर्याप्त नहीं कहा जा सकता है।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

नक्सलियों की कमर तोड़ने में क्यों नहीं मिल रही पूरी सफलता

नक्सलियों ने छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में बड़ा हमला करते हुए आईईडी से निशाना बनाकर सुरक्षाबलों की गाड़ी को विस्फोट से उड़ा दिया। इस हमले में एक चालक सहित डीआरजी (डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड) के 10 जवान शहीद हो गए। माना जा रहा है कि नक्सलियों की मुखबिरी के कारण ही नक्सली इतनी बड़ी वारदात को अंजाम देने में सफल हुए। हालांकि छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल कह रहे हैं कि नक्सलियों के खिलाफ लड़ाई अंतिम दौर में चल रही है और नक्सलियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा, सरकार योजनाबद्ध तरीके से नक्सलवाद को खत्म करेगी लेकिन हकीकत यही है कि इसी प्रकार के बयान हर नक्सली हमले के बाद सुनने को मिलते रहे हैं। वास्तविकता यही है कि नक्सल समस्या बहुत पुरानी है, जिस पर अभी तक काबू नहीं पाया जा सका है। सरकारें भले ही बदलती रही हों पर जमीनी हकीकत यही है कि नक्सली हमले नहीं रुके हैं। यदि छत्तीसगढ़ में पिछले 13 वर्षों के आंकड़ों पर नजर डालें तो 2010 से अब तक 10 बड़े नक्सली हमले हुए हैं, जिनमें हमारे करीब 200 जवान शहीद हो चुके हैं।

डीआरजी के जवान नक्सलियों के निशाने पर सबसे ज्यादा होते हैं क्योंकि 2008 में पहली बार गठन के बाद से नक्सलियों के खिलाफ वे कई अभियानों को सफलतापूर्वक अंजाम दे चुके हैं, इसीलिए वे नक्सलियों के सबसे बड़े दुश्मन माने जाते हैं। ह्यडीआरजीह्ण छत्तीसगढ़ पुलिस के स्पेशल जवान हैं, जिनकी भर्ती विशेष रूप से नक्सलियों से लड़ने के लिए ही की गई है। डीआरजी के जवानों में आत्मसमर्पण करने वाले नक्सली और बस्तर के ही वातावरण में पले-बढ़े लोग शामिल होते हैं और यही कारण है कि नक्सलियों के खिलाफ सबसे बड़ी सफलता अभी तक इन्हीं जवानों को ही मिली है।

हालांकि बार-बार हो रहे नक्सली हमलों और इनमें जवानों की शहादत को देखते हुए सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर नक्सलियों पर पूरी तरह लगाम कसने में कौन-सी मुश्किलें सामने आ रही हैं, क्यों नक्सली हमलों पर पूरी तरह लगाम कसने में सफलता नहीं मिल पा रही? केन्द्र सरकार द्वारा 2021 में लोकसभा में बताया गया था कि छत्तीसगढ़ में 2020 तक कुल 3722 नक्सली हमलों में हमारे 489 जवान शहीद हो चुके हैं। हालांकि गृह मंत्रालय का दावा है कि वर्ष 2018 के मुकाबले 2022 में नक्सली हिंसा की घटनाओं में 39 फीसदी की कमी आई है और सुरक्षा बलों के मारे जाने की संख्या भी 26 फीसदी घटी है लेकिन कुछ समय से नक्सली जिस प्रकार अपनी ताकत का अहसास कराते हुए बेलगाम नजर आ रहे हैं, ऐसे में उन्हें कुचलने के लिए सरकार द्वारा रणनीतियों में बड़े बदलाव की जरूरत महसूस की जाने लगी है। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि नक्सली अब अत्याधुनिक हथियारों और शक्तिशाली विस्फोटकों का भी खुलकर इस्तेमाल कर रहे हैं। ऐसे में यह सवाल भी खड़ा होता है कि जंगलों में उन तक ये खतरनाक हथियार और शक्तिशाली विस्फोटक कहां से और कैसे पहुंच रहे हैं? सवाल यह भी है कि सुरक्षा बलों की टीम के किसी अभियान की जानकारी नक्सलियों को कई बार पहले ही कैसे मिल जाती है? नक्सलियों की गतिविधि की भनक पाकर जंगल में उन्हें तलाशने के अभियान पर निकलने वाले जवान खुद कैसे उन्हीं के शिकार बन जाते हैं? कैसे नक्सलियों को जवानों की मुहिम की पल-पल की खबर होती है? जाहिर-सी बात है कि बगैर स्थानीय लोगों के समर्थन के यह संभव नहीं है।

दरअसल नक्सली गुट अपनी सक्रियता वाले इलाके के चप्पे-चप्पे से वाकिफ होते हैं और स्थानीय लोगों से सम्पर्क भी उनके काम आता है। ऐसे में बेहद जरूरी है कि नक्सली समूहों के खिलाफ सुरक्षा के प्रत्यक्ष मोर्चों के साथ-साथ एक मजबूत और सुगठित खुफिया तंत्र गठित करने पर विशेष ध्यान दिया जाए। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि नक्सलियों को प्रायः स्थानीय स्तर पर समर्थन मिलता रहा है और इन्हीं में उनके कुछ खास मुखबिर भी शामिल होते हैं। ऐसे में इस सवाल का जवाब भी तलाशा जाना चाहिए कि नक्सलियों को स्थानीय स्तर पर मिलते इस समर्थन के आखिर कारण क्या हैं?

नक्सलवाद की जड़ों का सफाया न हो पाने का एक कारण पुलिस और अर्धसैनिक बलों द्वारा सर्च के नाम पर स्थानीय आदिवासियों का उत्पीड़न किया जाना भी है। दरअसल कई बार ऐसे मामले सामने आते रहे हैं, जब नक्सली होने के संदेह में स्थानीय लोगों को प्रताड़ित किया जाता है और कभी-कभी तो जान से मार दिया जाता है। कहने का तात्पर्य यही है कि पुलिस की छवि लोगों का भरोसा जीतने के बजाय उन्हें डराने वाली ज्यादा रही है, जिसका नुकसान नक्सल विरोधी अभियान को होता रहा है। सरकार द्वारा प्रायः नक्सल विरोधी अभियान को और गति देने के लिए जवानों की तैनाती बढ़ाने पर विचार किया जाता है जबकि मूल समस्या कार्रवाई बल की संख्यात्मक कमी नहीं बल्कि रणनीतिक खामियां हैं, जिससे नक्सल विरोधी रणनीति पर सवालिया निशान लगते रहे हैं। कुल मिलाकर देखा जाए तो नक्सली समस्या का पूरी तरह समाधान तब तक संभव नहीं है, जब तक सरकारें ऐसे इलाकों में लोगों की बुनियादी जरूरतों को पूरा करते हुए विकास कार्यों को बढ़ावा देने को लेकर नीतियां बनाकर उन पर दृढ़तापूर्वक अमल नहीं करती।

Social Media Corner

सच के हक में...

बिरसा मुंडा एयरपोर्ट से झारखण्ड की जनता के लिए एयर एम्बुलेंस सेवा का शुभारंभ करने का सौभाग्य मिला। गंभीर रूप से बीमार लोगों को ससमय बेहतर इलाज उपलब्ध कराने में यह एक प्रयास है। इस सेवा का उपयोग सिर्फ जो पैसे दे सकते वही कर पाएंगे ऐसा नहीं है, इसमें आवश्यकतानुसार, जो पैसे नहीं भी दे सकता है, उसे भी एयर एंबुलेंस के माध्यम से ले जाने और स्वास्थ सेवा उपलब्ध कराने की मंशा सरकार की है।

(सीएम हेमंत सोरेन के ट्विटर अकाउंट से)

संथाल परगना क्षेत्र में आदिवासी नाबालिग बच्चियां लगातार अपराधियों के निशाने पर हैं। कल देवघर के मोहनपुर थानांतर्गत ठाढियारा गांव में एक सिंचाई कूप से एक नाबालिग आदिवासी बच्ची की संदिग्ध अवस्था में मिली शव एक बार फिर से राज्य की बेटियों की सुरक्षा पर बड़ा प्रश्न चिह्न खड़ा कर रहा है। संभवतः इस बच्ची के साथ भी दरिंदगी करने के बाद साक्ष्य छिपाने के उद्देश्य से हत्या कर दी गई हो। मुख्यमंत्री जी आज पूरा राज्य बच्चियों के लिए असुरक्षित बन चुका है। घर, गांव कहीं भी बेटियों की सुरक्षा बस खोखले दावे ही साबित हुए हैं। पिछले 3 सालों का क्राइम रिकॉर्ड उठा कर देख लीजिए। संथाल के जनजातीय समुदाय की बच्चियां तो सबसे ज्यादा असुरक्षित प्रतीत होती हैं। मुख्यमंत्री जी राजनैतिक विद्वेषों को किनारे रखकर राज्य में बच्चियों की सुरक्षा के लिए कुछ ठोस कदम उठाइए।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी के ट्विटर अकाउंट से)

मनमानी के विरुद्ध

जब समूची दुनिया में कोरोना विषाणु से उपजी महामारी ने कहर मचाया हुआ था, तब हमारे देश में भी सरकार की ओर से इसका सामना करने के लिए तमाम वैकल्पिक उपाय निकाले जा रहे थे। बाकी अन्य मोर्चों पर जितना संभव हुआ, उतना सरकार ने किया। इसी क्रम में बच्चों को महामारी की चपेट में आने से बचाने के लिए स्कूल बंद किए जाने से लेकर अन्य तमाम दिशा-निर्देश जारी किए गए थे। इसके तहत स्कूलों से यह भी कहा गया था कि वे इस दौरान बच्चों की फीस न वसूलें। लेकिन बहुत सारे स्कूलों ने इस पर गौर करना जरूरी नहीं समझा और कोरोना काल में भी अभिभावकों से शुल्क वसूले थे। इसके खिलाफ कुछ अभिभावकों ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय में अपील की थी। मामले पर सुनवाई के बाद अदालत ने स्कूलों को पूर्णबंदी के समय ली गई फीस का पंद्रह फीसद अभिभावकों को लौटाने का आदेश दिया था। अदालत का साफ मानना था कि पूर्णबंदी के दौरान स्कूल केवल ट्यूशन फीस के अलावा अन्य कोई भी शुल्क मांगने के हकदार नहीं थे। हालांकि उस दौरान जो हालात थे, उसमें ऐसा करना एक सामान्य समझ का भी तकाजा था, मगर इसके लिए अदालत को यह निर्देश देने की जरूरत पड़ी। विडंबना यह है कि स्कूलों को अदालत के स्पष्ट आदेश को भी मानना जरूरी नहीं लगा। उन्होंने न फीस लौटाई या न ही उसे संयोजित किया। यह अपने आप में एक तरह से अदालती आदेश का उल्लंघन ही था। अब इस मामले में कार्रवाई करते हुए उत्तर प्रदेश में गौतमबुद्ध नगर के जिलाधिकारी ने जिले में ऐसा करने वाले स्कूलों की पहचान की और यहां के सौ से ज्यादा निजी स्कूलों पर एक-एक लाख रुपए का जुमार्ना लगाया है। यही नहीं, इस कार्रवाई के तहत कहा गया है कि अगर दस दिन के भीतर वसूला गया विद्यालय शुल्क अभिभावकों को वापस नहीं किया गया तो जुमार्ने की रकम बढ़ा कर पांच-पांच लाख रुपए कर दी जाएगी। हो सकता है कि गौतमबुद्ध नगर के जिलाधिकारी के आदेश के कुछ कानूनी परिप्रेक्ष्य हों और उसी संदर्भ में इस पर ओमल को लेकर कुछ सवाल हों। लेकिन इलाहाबाद हाई कोर्ट के आदेश के बावजूद इतने बड़े पैमाने पर स्कूलों ने अपनी मनमर्जी से फीस की वसूली की तो यह अपने आप में हैरान करने वाला मामला है। सवाल है कि अगर कोरोना से बचाव की कोशिश में बच्चों की सुरक्षा के मद्देनजर स्कूलों को भी बंद रखा गया था, तो स्कूलों को कम से कम उस समय विद्यार्थियों से वसूले जाने वाले शुल्क के ढांचे पर अपनी ओर से विचार करना जरूरी क्यों नहीं लगा! यह जगजाहिर तथ्य है कि पूर्णबंदी और महामारी के चरम के वक्त लोगों ने अपनी ओर से बचाव की कोशिशों में हर संभव सहभागिता की जिम्मेदारी निभाई। बल्कि इस क्रम में जो लोग परेशानी में घिर गए, जिनका रोजगार छूट गया, जिनके सामने खाने-पीने तक का संकट खड़ा हो गया, उस समय ऐसे तमाम लोग सामने आए, जिन्होंने अपनी सीमा में अपने खर्चे से जरूरतमंदों की मदद की। खुद सरकार ने अनाज मुहैया कराने से लेकर कई तरह के कार्यक्रम चलाए। ऐसे में स्कूलों की क्या जिम्मेदारी बनती थी? कम से कम फीस नहीं लेने की अपीलों के बाद उन्हें मदद के तौर पर ही सही, अपने यहां पढ़ने वाले बच्चों की फीस का ढांचा कुछ नरम करना चाहिए था। लेकिन हालत यह रही कि वसूले गए शुल्क लौटाने के अदालत के निर्देश पर भी अमल करना उन्हें जरूरी नहीं लगा।

अदालत का साफ मानना था कि पूर्णबंदी के दौरान स्कूल केवल ट्यूशन फीस के अलावा अन्य कोई भी शुल्क मांगने के हकदार नहीं थे।

I WANT TO SAY...

THE PHOTON NEWS

भारतीय सभ्यता और संस्कृति की सदियों से अलग पहचान रही है। यहां नैतिकता और अनैतिकता के बीच स्पष्ट लकीर खींची जाती रही है। इनदिनों समलैंगिक विवाह का मुद्दा पूरे देश में गर्म है। समर्थन में गिने-चुने लोग दिख रहे हैं तो विरोध करनेवालों की संख्या बहुतायत है। राजधानी के विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक संगठन भी समलैंगिक विवाह को कानूनी जामा पहनाने संबंधी प्रयासों की भर्त्सना कर रहे हैं। ऐसे संगठनों व संस्थाओं का मानना है कि समलैंगिक विवाह की अवधारणा भारतीय संस्कृति, परंपरा, मूल्यों, विवाह पद्धति और परिवार व्यवस्था को ध्वस्त करने का कुत्सित प्रयास है। यह मामला फिलहाल सर्वोच्च न्यायालय में विचाराधीन है। मालूम हो कि सर्वोच्च न्यायालय में समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने के साथ ही लैंगिक सूचक पति- सबी शब्द की बजाय जीवनसाथी कहे जाने के प्रावधान की मांग को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई चल रही है। याचिकाकर्ता की ओर से कहा जा रहा है कि वे किसी सार्वजनिक स्थल पर जाएं तो उन्हें कलंक से बचाने के लिये इसे विवाह घोषित किया जाए। पुरुष और महिला के स्थान पर व्यक्ति शब्द का उपयोग करने की गुजारिश भी की गयी है। मामला सर्वोच्च न्यायालय के विचाराधीन होने के बावजूद इतना जरूर कहा जा सकता है कि विवाह के जिस स्वरूप की याचिकाकर्ता गढ़ना चाहते है वह न तो प्राकृतिक दृष्टि से उचित कहा जायेगा और न ही व्यावहारिक तौर पर। समलैंगिक विवाह को मान्यता प्रदान करने संबंधी कानून बनाने का विचार और प्रयास सदियों प्राचीन भारतीय विवाह पद्धति, परिवार व्यवस्था और भारतीय संस्कृति, संस्कारों, मूल्यों के खिलाफ है। इसका हर स्तर पर विरोध होना चाहिए।

फिरोज जिलानी, पत्रकार, रांची।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PRIVATE LIMITED, Kathitand, Near Tender Bagicha, P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, Jharkhand-835222, and Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001.Editor-Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

यशस्वी जायसवाल सुपरस्टार खिलाड़ी है, भविष्य में देश का नाम रौशन करेगा : सुरेश रैना

चेन्नई (एजेंसी)। भारत के पूर्व क्रिकेटर और चार बार के इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) विजेता सुरेश रैना ने राजस्थान रॉयल्स के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल के जज्बे की तारीफ करते हुए उन्हें टूर्नामेंट का सुपरस्टार बताया। साथ ही कहा कि उसके पास भविष्य में देश का नाम रौशन करने की क्षमता है।

राजस्थान ने गुरुवार को सवाई मानसिंह स्टेडियम में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया, जायसवाल ने 43 गेंदों पर 77 रनों की आक्रामक पारी खेली, जिसमें आठ चौके और चार छक्के शामिल थे, जिससे टीम को 5 विकेट के नुकसान पर 202 रनों का स्कोर खड़ा करने में मदद मिली, जिससे फिर टीम को 32 रन की जीत हासिल हुई। रैना को मैच समाप्त होने के बाद जियो सिनेमा पर कहा, जैसा कि रॉबिन (उथप्पा) ने कहा कि जब उसने रिवर्स स्वीप मारा, तो उसके सिर की पोजिशन बहुत अच्छी थी। वह शरीर के करीब खेलता है और जो मुझे सबसे ज्यादा पसंद है वह यह है कि जब भी वह गेंद को ड्राइव करता है तो वह अच्छे स्टाइल में रहता है। जब यह ज्यादा नहीं चलता है, तो आप अपने शॉट में बहुत अधिक शक्ति प्राप्त कर सकते हैं, आपकी स्विंग अच्छी हो जाती है। वह एक अच्छे गेंदबाज का सम्मान करता है और खुद को समय देता है। वह जानता है कि पहले छह ओवरों से परे खेल कैसे बनाया जाए। एक सलामी बल्लेबाज की सबसे बड़ी पहचान यह है कि आप ओवरों को देखते हुए आक्रमण करते हैं। 1 से 6 और 7-11 ओवरों से आप मजबूत होते हैं। वह आईपीएल का सुपरस्टार है और भविष्य में देश को गौरवान्वित करेगा।

रैना ने यह भी टिप्पणी की कि कैसे राजस्थान की गेंद के साथ शानदार शुरुआत ने चेन्नई को मैच से दूर कर दिया। चेन्नई पावर-प्ले में केवल 42 रन बना सका, जिससे चेन्नई को टूर्नामेंट में तीसरी हार का सामना करना पड़ा और अंक तालिका में तीसरे स्थान पर खिसक गए। रैना ने कहा, उन्होंने टॉस जीता और बल्लेबाजी करने का फैसला किया, एक निर्णय जो उनके अनुकूल था। माही भाई ने अपनी प्रस्तुति की शुरुआत में कहा, जब आप 200 का पीछा कर रहे होते हैं तो आपको लगभग 60-70 की शुरुआत करनी होती है।

कपड़ा उतारकर मसाज कराता दिखा पाकिस्तानी क्रिकेटर, लाइव मैच में घटी ये घटना

रावलपिंडी (एजेंसी)। पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज फखर जमां के 9वें शतक की बदौलत मेजबान टीम ने पहले मैच में न्यूजीलैंड को पांच विकेट से हरा दिया। इसके साथ ही पाकिस्तान ने वनडे मैचों में अपनी 500वीं जीत दर्ज की। ऑस्ट्रेलिया और भारत के बाद ऐसा करने वाला वह तीसरा देश बन गया है। खैर, पाकिस्तानी क्रिकेटर क्या-क्या कर सकते हैं इसका अंदाजा शायद ही कोई लगा सकता है। अब इस वायरल हो रहे वीडियो को ही देख लीजिए। पाकिस्तानी क्रिकेटर शादाब खान लाइव मैच के दौरान कपड़े उतारकर ड्रेसिंग रूम में मसाज कराते नजर आए। दरअसल, पाकिस्तानी टीम बैटिंग कर रही थी। फखर जमां 76 और बाबर आजम 26 रन बनाकर खेल रहे थे। इस बीच कैमरामैन ने ड्रेसिंग रूम का रुख किया तो वहां का नजारा देखकर हर कोई दंग रह गया। ड्रेसिंग रूम में शादाब कपड़े उतारकर मसाज करवा रहे थे। शादाब खान ने मैच में 10 ओवरों में 56 रन देकर एक विकेट झटका था, जबकि बैटिंग करने नहीं उतरे।

बाबर आजम ने बनाया यह करिश्माई रिकॉर्ड, फिर भी रह गए विराट कोहली से पीछे

नई दिल्ली/रावलपिंडी (एजेंसी)। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ एक गजब का रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने इंटरनेशनल क्रिकेट में 12 हजार रन पूरे किए। न्यूजीलैंड पर 5 विकेट जीत में 49 रनों पारी खेलने के दौरान यह आंकड़ा छुआ। बाबर सबसे कम पारियों में यहां तक पहुंचने के मामले में कोहली के रिकॉर्ड को तोड़ने में नाकाम रहे। बाबर आजम ने 277 अंतरराष्ट्रीय पारियों में यह उपलब्धि हासिल की, जबकि कोहली 276 पारियों में इस मुकाम तक पहुंचे थे।

बाबर आजम ने गुरुवार को रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे में 49 रन की पारी के दौरान यह उपलब्धि हासिल की। बाबर न केवल कोहली, बल्कि इंग्लैंड के जो रूट से भी पीछे रहे। वह सबसे तेज 12000 रनों तक पहुंचने वाले बल्लेबाजों की सूची में छठे नंबर पर हैं। वेस्टइंडीज के दिग्गज विवियन रिचर्ड्स 255 पारियों के साथ सबसे टॉप पर बने हुए हैं।

पाकिस्तान के ऑल-फॉर्मेट कप्तान ने 47 टेस्ट में 85 पारियों में 3,696 रन, 96 एकदिवसीय मैचों में 94 पारियों में 4,862 रन और 104 टी20ई में 98 पारियों में 3,485 रन बनाए हैं। बाबर के पास कोहली से आगे सबसे तेज 10,000 और 11,000 अंतरराष्ट्रीय रन बनाने वाले एशियाई बल्लेबाज होने का रिकॉर्ड है। इस बीच फखर जमां ने अपना 9वां वनडे शतक जड़ा और गुरुवार को पहले वनडे में पाकिस्तान को न्यूजीलैंड पर 5 विकेट से जीत दिलाई। बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज फखर ने 114 गेंदों में 117 रन बनाए। इसके साथ ही पाकिस्तान ने वनडे सीरीज में 1-0 की बढ़त ले ली है।

इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे तेज 12 हजार रन पूरा करने वाले बल्लेबाज

विवियन रिचर्ड्स (वेस्टइंडीज)- 255
हाशिम अमला (साउथ अफ्रीका)- 264
स्टीव स्मिथ (ऑस्ट्रेलिया)=269
जो रूट (इंग्लैंड)- 275
विराट कोहली (भारत)- 276
बाबर आजम (पाकिस्तान)- 277
जावेद मियांदाद (पाकिस्तान)- 284
सचिन तेंदुलकर (भारत)- 288
सुनील गावस्कर (भारत)- 289

छोटी बच्ची हो क्या...

विराट पर ऐसा क्या बोला की अनन्या पांडे सोशल मीडिया पर हो गई ट्रोल

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग 2023 रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के धाकड़ बल्लेबाज विराट कोहली अपने दमदार फॉर्म में हैं। हालांकि इसके बावजूद उनकी टीम का प्रदर्शन औसत ही रहा है। विराट कोहली के अलावा फाफ डु प्लेसिस और ग्लेन मैक्सवेल ही सिर्फ इस सीजन में अपनी छाप छोड़ पाए हैं। यही कारण है कि टीम 8 में से सिर्फ 4 मुकाबले में ही जीत हासिल कर सकी है जबकि तीन मैच में उसे हार का सामना करना पड़ा है।

हालांकि आरसीबी को बेशक उस तरह की सफलता नहीं मिल पाई है जैसे की उसके फैंस उम्मीद कर लेकिन विटा कोहली के बल्ले

से इस सीजन में अब तक कुल 5 अर्धशतक आ चुके हैं। यही कारण है कि बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे को लगता है कि कोहली आईपीएल के 16वें सीजन में ऑरेंज कैप विजेता बनेंगे। स्टार स्पोर्ट्स के कार्यक्रम में शामिल हुई अनन्या से पूछा गया कि इस साल ऑरेंज कैप कौन जीतेगा। इस पर अनन्या ने कहा, विराट कोहली इस बार ऑरेंज कैप जीतने वाले हैं। अनन्या के इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर फैंस उन्हें ट्रोल करने लगे।

रन बनाने के मामले में टॉप-5 में शामिल हैं विराट – आईपीएल 2023 में विराट कोहली शानदार बल्लेबाजी कर रहे हैं। विराट कोहली रन मनाने के मामले में दूसरे नंबर पर हैं। इस सीजन में कोहली 8 मैचों में 142.30 की स्ट्राइक रेट से 333 रन बना चुके हैं। इस दौरान उन्होंने 5 अर्धशतकीय पारी खेली है। आईपीएल के 16वें सीजन में कोहली का सर्वोच्च स्कोर नाबाद 82 रन का है।

वहीं आरसीबी के ही फाफ डु प्लेसिस मौजूदा सीजन में ऑरेंज कैप धारक है। डुप्लेसिस इस सीजन में 167.46 की औसत से 422 रन बना चुके हैं। डु प्लेसिस भी आरसीबी के लिए इस सीजन में कुल 5 अर्धशतक लगा चुके हैं। उनका सर्वोच्च स्कोर 84 रन का है। ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि विराट कोहली जिस तरह के फॉर्म में चल रहे हैं उसे देखते हुए वह निश्चित रूप से ऑरेंज कैप के दावेदार बन सकते हैं। आखिरी बार विराट कोहली आईपीएल 2016 में ऑरेंज कैप मिला था। आईपीएल 2016 में विराट कोहली ने 973 रन बनाए थे।

कोलकाता के खिलाड़ी लिटन दास ने बीच में छोड़ा आईपीएल 2023

वापसी की नहीं दी कोई जानकारी

कोलकाता (एजेंसी)। बांग्लादेश के विकेटकीपर बल्लेबाज लिटन दास बीच में टीम का साथ छोड़ गए हैं। वह पारिवारिक आपात स्थिति के कारण स्वदेश लौट गए हैं और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की तरफ से इंडियन प्रीमियर लीग के आगामी मैचों के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे। केकेआर की टीम के एक अधिकारी ने कहा,'' उनके परिवार में कोई आपात चिकित्सा स्थिति आ गई है जिसके कारण वह आज सुबह ढाका रवाना हो गए। वह कब तक वापसी करेंगे इसको लेकर कोई जानकारी नहीं है। इस 28 वर्षीय विकेटकीपर बल्लेबाज को केकेआर ने पिछले साल नीलामी में उनके आधार मूल्य 50 लाख रुपए में खरीदा था। उन्होंने आईपीएल में केवल एक मैच दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खेला था। जेसन रॉय के साथ पारी का आगाज करते हुए दास ने उस मैच में केवल चार रन बनाए और विकेटकीपर के तौर पर उन्होंने स्टंपिंग के दो मौके गंवाए। दिल्ली ने यह मैच चार विकेट से जीत कर लगातार पांच मैचों में हारने का सिलसिला तोड़ा था।

आज केकेआर की वापसी की उम्मीदों पर पानी फेरने उतरेगा गुजरात टाइटंस

कोलकाता (एजेंसी)। अपने मजबूत गेंदबाजी आक्रमण के दम पर पिछले दोनों मैच जीतकर अपना अभियान पटरी पर लाने वाली गुजरात टाइटंस की टीम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शनिवार को यहां कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की वापसी की उम्मीदों पर पानी फेरने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगी।

केकेआर ने लगातार चार मैच गंवाने के बाद पिछले मैच में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) को हराकर वापसी की थी।ऐसे समय में जबकि केकेआर के कैरेबियाई धुरंधर आंद्रे रसेल और सुनील नारायण नहीं चल रहे हैं तथा नियमित कप्तान श्रेयस अय्यर चोटिल हैं, तब उसे जेसन रॉय के रूप में नया ट्रंप कार्ड मिला है।इंग्लैंड के इस सलामी बल्लेबाज ने पिछले मैच में आक्रामक अर्धशतक जड़कर केकेआर के लिए मजबूत मंच तैयार किया था जिसका फायदा उठाकर कप्तान नितीश राणा, रिंकू सिंह और डेविड वीज ने आरसीबी के खिलाफ टीम का स्कोर 201 रन पर पहुंचाया था। आरसीबी के खिलाफ इस मैच में जीत से केकेआर 10 टीमों की अंक तालिका में सातवें स्थान पर पहुंच गया है लेकिन प्लेऑफ में जगह सुनिश्चित करने के लिए अभी उसे लंबी राह तय करनी होगी। केकेआर के अभी केवल छह अंक हैं और उसे प्लेऑफ में जगह सुनिश्चित करने के लिए बाकी बचे छह मैचों में से कम से कम पांच मैचों में जीत दर्ज करनी होगी। केकेआर के लिए हार्दिक पंड्या की अगुवाई वाली गुजरात टाइटंस की टीम से पार पाना आसान नहीं होगा जिसके पास मजबूत गेंदबाजी आक्रमण और कुशल बल्लेबाज है। गुजरात की टीम अभी सात मैचों में 10 अंक लेकर दूसरे स्थान पर है। गुजरात के पास मोहम्मद शमी के रूप में अनुभवी तेज गेंदबाज है जबकि स्वयं हार्दिक पावर प्ले में अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं। केकेआर के बल्लेबाजों को हालांकि अफगानिस्तान के दोनों स्पिनरों राशिद खान और नूर अहमद की कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा।

टीम इस प्रकार हैं

कोलकाता नाइट राइडर्स- नितीश राणा (कप्तान), जेसन रॉय, वेंकटेश अय्यर, आंद्रे रसेल, सुनील नारायण, शार्दुल ठाकुर, लॉकी फर्ग्यूसन, उमेश यादव, टिम साउदी, हर्षित राणा, वरुण चक्रवर्ती, अनुकूल रॉय, रिंकू सिंह, एन जगदीसन, वैभव अरोड़ा, सुयश शर्मा, डेविड विसे, कुलवंत खेजरोलिया, लिटन दास, मनदीप सिंह, रहमानुल्लाह गुरबाज और आर्या देसाई।

गुजरात टाइटन्स- हार्दिक पंड्या (कप्तान), शुभमन गिल, डेविड मिलर, अभिनव मनोहर, साईं सुदर्शन, रिद्धिमान साहा, मैथ्यू वेड, राशिद खान, राहुल तेवतिया, विजय शंकर, मोहम्मद शमी, अल्जारी जोसेफ, यश दयाल, प्रदीप सांगवान, दर्शन नलकंडे , जयंत यादव, आर. साई किशोर, नूर अहमद, दासुन शनाका, ओडियन स्मिथ, केएस भरत, शिवम मावी, उर्विल पटेल, जोशुआ लिटिल और मोहित शर्मा।

मैच शुरू- दोपहर 3.30 बजे।

पहलवानों ने जंतर-मंतर पर कहा-

हम अब किसी कमेटी या दिल्ली पुलिस को कोई साक्ष्य नहीं देंगे, हम कोर्ट में ही साक्ष्य देंगे

पानीपत/नईदिल्ली (एजेंसी)। पहलवानों ने जंतर-मंतर पर कहा- हम अब किसी कमेटी या दिल्ली पुलिस को कोई साक्ष्य नहीं देंगे। हम कोर्ट में ही साक्ष्य देंगे। यौन शोषण के आरोपों पर दिल्ली पुलिस रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह पर आज केस दर्ज करेगी। दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में यह बयान दिया है। 21 अप्रैल को एक नाबालिग समेत 7 महिला रेसलर्स ने बृजभूषण के खिलाफ यौन शोषण की शिकायत की थी। केस ना दर्ज होने पर रेसलर्स ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की। आज सुनवाई के दौरान रेसलर्स की ओर से सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल ने कोर्ट में कहा- महिला रेसलर्स को सुरक्षा मुहैया कराई जाए और रिटायर्ड जज इस केस की निगरानी करें। इस दलील पर अदालत ने दिल्ली पुलिस को सुरक्षा मुहैया कराने का आदेश दिया है। कोर्ट ने पुलिस से अगले शुक्रवार तक हलफनामा दायर करने को कहा है। इसमें बताना होगा कि उसने क्या कदम उठाए। अगली सुनवाई 17 मई को होगी।दिल्ली के जंतर-मंतर पर धरना दे रहे पहलवान अपना फिटनेस रूटीन नहीं रोक रहे हैं। वे लगातार 3 दिन से सुबह प्रैक्टिस कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के बाद रेसलर्स ने मीडिया से बात की। बजरंग पूनिया ने कहा- बृजभूषण को तुरंत जेल में डाला जाए। जब तक उन्हें जेल में नहीं डाला जाएगा, तब तक हम यहां से नहीं उठेंगे। वे कह रहे हैं कि खिलाड़ियों ने कोई सबूत नहीं दिया। अगर सबूत नहीं दिया होता तो सुप्रीम कोर्ट एफआईआर का आदेश नहीं देता। विनेश फोगाट बोलीं- एफआईआर पहले दिन ही होनी चाहिए थी। सिर्फ एफआईआर से कुछ होने वाला नहीं है। बृजभूषण पर पहले से 85 से ज्यादा एफआईआर हैं। उनको पदों से हटाकर जेल में डालना होगा। हम अब किसी कमेटी या दिल्ली पुलिस को कोई सबूत नहीं देंगे। हम कोर्ट में ही सबूत देंगे। राधिका श्रीमन कहती हैं कि एक लड़की ने ही सेक्सुअल हैरेसमेंट की शिकायत की है। अगर ऐसा है तो उस एक लड़की की शिकायत पर भी केस दर्ज हो जाना चाहिए था। बृजभूषण को सभी पदों से तत्काल प्रभाव से हटाया जाए, क्योंकि वे अपने पदों का दुरुपयोग कर सकते हैं। यह लड़ाई बृजभूषण को सजा दिलाने की है।साक्षी मलिक ने कहा हमें दिल्ली पुलिस पर

अध्यक्ष के जेल जाने तक धरना जारी रहेगा : बजरंग

भरोसा नहीं है। अभी भी सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद केस दर्ज हुआ है। हम दिल्ली पुलिस को भी कॉपरेट कर देंगे, मगर हमारी सुनवाई होनी चाहिए। हमारे साथ धरने पर बड़े बुजुर्ग भी शामिल हैं, अब सभी की सहमति से ही धरने को खत्म या आगे बढ़ाने का फैसला लिया जाएगा।

यह खिलाड़ी आए समर्थन में – डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष बृजभूषण पर एक्शन की मांग को लेकर 6 दिन से जंतर-मंतर पर पहलवान धरना दे रहे हैं। शुक्रवार को इंडियन क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव, ओलिंपिक्स में गोल्ड जीतने वाले नीरज चोपड़ा, टेनिस स्टार सानिया मिर्जा, एक्टर सोनू सूद और एक्ट्रेस उर्मिला मातोंडकर भी रेसलर्स के समर्थन में उतर आए।

पहलवानों के लिए खर्चीला साबित हो रहा विरोध प्रदर्शन – भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह की गिरफ्तारी की मांग को लेकर जंतर मंतर पर विरोध प्रदर्शन कर रहे पहलवानों को बुनियादी जरूरतों को पूरा करना काफी महंगा साबित हो रहा है। इस खर्च के बावजूद पहलवान दिल्ली के इस प्रसिद्ध विरोध स्थल पर लंबी लड़ाई लड़ने के लिए तैयार हैं। पहलवानों ने डब्ल्यूएफआई प्रमुख पर यौन उत्पीड़न और धमकाने का आरोप लगाया है। पहलवानों ने पांच दिनों में गद्दे, चादर, पंखे, स्पीकर, माइक्रोफोन, पानी और खाने के अलावा एक छोटे जनरेटर की व्यवस्था पर पांच लाख रुपये से अधिक खर्च किए हैं। उन्होंने शुरुआत में गद्दे, चादर और 'साउंड सिस्टम' किराए पर लिए थे जिसके लिए उन्हें हर दिन 27,000 खर्च करने पड़ रहे थे। पहलवानों को महसूस किया कि अगर उन्हें लंबे समय तक बैठना पड़ा तो छोटी-छोटी चीजों की व्यवस्था करना एक बड़ा वित्तीय बोझ बन जाएगा।

विनेश फोगाट के पति सोमवीर राठी ने मीडिया से कहा, '' इसलिए हमने गद्दे खरीदने का फैसला किया। मैंने अपने गांव खरखौदा से 50,000 रुपये देकर 80 गद्दे खरीदे। हमसे प्रतिदिन गद्दे के लिए 12,000 रुपये प्रतिदिन का किराया लिया जा रहा था। यह बहुत बड़ी रकम है।'' उन्होंने बताया, '' शुरू में, हमने स्पीकर और माइक्रोफोन किराए पर लिए थे, लेकिन एक दिन की लागत 12,000 रुपये थी। यह बहुत अधिक थी। अब हमने चांदनी चौक बाजार से अपना 'साउंड सिस्टम' 60,000 रुपये में खरीदा है। दुकानदार पहलवानों के बारे में जानता था इस लिए उसने हमें इसे बिना कोई मुनाफा कमाये बेचा।'' पंखे और जेनरेटर अब भी किराये पर है। दोनों के लिए उन्हें हर दिन 10,000 रुपये खर्च करने पड़ते हैं। उन्होंने कहा, '' जरूरत पड़ी तो हम कूलर खरीद लेंगे। बाहर बहुत गर्मी है। हम अपने साथ दो लाख रुपये नकद लाए थे लेकिन अब तक लगभग पांच-छह लाख रुपये खर्च कर चुके हैं।'' विनेश, साक्षी मलिक और बजरंग पूनिया इस विरोध का चेहरा हैं। सोमवीर, उनके दोस्त योगेश (भारत केसरी) और कई अन्य लोग विरोध को जारी रखने के लिए दिन-रात काम कर रहे हैं। सोमवीर ने कहा, '' हमने काम आपस में बांट लिया है। कुछ कोच यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि रसोइयों द्वारा गुणवत्तापूर्ण भोजन तैयार किया जाये, जबकि युवा पहलवान विरोध स्थल पर भोजन पहुंचा रहे हैं। कुछ लोग यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि पानी की आपूर्ति निर्बाध हो। किसी को सफाई का ध्यान रखने की जिम्मेदारी दी गयी है। यहां तक कि सुरक्षाकर्मी भी हमारी मदद करते हैं।''

सोमवीर इसके साथ ही हरियाणा के विभिन्न अखाड़ों के प्रतिनिधियों को यहां जंतर-मंतर नहीं आने के लिए मना रहे हैं क्योंकि अधिक भीड़ को संभालना काफी चुनौतीपूर्ण होगा। लगभग 80 अखाड़े यहां आकर विरोध प्रदर्शन में साथ देना चाहते हैं लेकिन हमने उन्हें यहां आने से रोक दिया है।

सोमवीर से जब पूछा गया कि क्या उन्हें किसी राजनीतिक दल या प्रभावशाली लोगों से आर्थिक मदद नहीं मिल रही है ? उन्होंने कहा, ''अगर ऐसा होता, तो पहलवानों के सिर पर यहां 'वाटरप्रूफ शेड' और कुछ अच्छी सुविधाएं होती, लेकिन हम कम से कम संसाधनों में चीजों का प्रबंधन कर रहे हैं।'' फिलहाल विनेश, साक्षी और बजरंग के परिवार खर्च चला रहे हैं उन्होंने कहा, ''हम अभी किसी से मदद नहीं ले रहे हैं। हम खुद से चीजों का प्रबंधन कर रहे है। हम बहुत सावधानी से पैसा खर्च कर रहे हैं। जो लोग आ रहे हैं वे अपने भोजन की व्यवस्था खुद कर रहे हैं।

जमकर भड़के सुनील गावस्कर, बोले- आप केवल बल्लेबाजी करने नहीं आ सकते

जयपुर (एजेंसी)। जयपुर के सवाई मान सिंह स्टेडियम में गुरुवार को चेन्नई सुपर किंग्स को राजस्थान रॉयल्स से 32 रन से हार का सामना करना पड़ा। जीत के लिए 203 रनों का पीछा करते हुए चेन्नई को तेज शुरुआत की जरूरत थी, जो रॉयल्स की शानदार गेंदबाजी की वजह से उन्हें नहीं मिली। वहीं इंपैक्ट प्लेयर के रूप में आए अंबाती रायुडू भी 2 गेंदों में बिना खाता खोले पवेलियन चले गए। ऐसे में भारत के पूर्व क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने रायुडू की क्लास लगाई, बल्कि इम्पैक्ट प्लेयर नियम पर भी सवाल उठाया।

गावस्कर ने रायडू के आउट होने पर कमेंट्री पर कहा, आप फील्डिंग करने नहीं आए। फिर आप केवल बल्लेबाजी करने नहीं आ सकते और गेंद को मारना शुरू नहीं कर सकते। आप ऐसा नहीं कर सकते। हमने पृथ्वी शॉ के साथ यह देखा है। वह सफलता के बिना बल्लेबाजी करने के लिए आ रहा है। कोई फील्डिंग नहीं। कोई स्कोरिंग नहीं। रायुडू दूसरी गेंद पर डक के लिए आउट हो गए। इस प्रकार गावस्कर ने इम्पैक्ट प्लेयर के नियम को भी निशाने में लिया है। उतरी सीएसके की तरफ से नंबर 4 पर बल्लेबाजी करने आए रायुडू ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन के खिलाफ एक बड़ा शॉट खेलने की कोशिश करते हुए आउट हो गए। वह एक बड़े स्लॉग स्वीप के लिए गए, लेकिन मिड विकेट पर कैच आउट हो बैठे। रायडू ने आईपीएल 2023 में आठ मैचों में 16.60 की औसत से 83 रन बनाने में सफल रहे हैं। यह उनके 14 साल के लंबे आईपीएल करियर का सबसे कम स्कोर अभी तक है। आईपीएल के इस संस्करण में, सीएसके द्वारा उन्हें ज्यादातर बल्लेबाज या इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में ही इस्तेमाल किया गया है। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ बाएं हाथ के तेज गेंदबाज आकाश सिंह की जगह रायडू को इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर लाया गया था। लेकिन दाएं हाथ का यह बल्लेबाज प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहा।

पाकिस्तान ने दर्ज की अपनी 500वीं वनडे जीत, भारत और ऑस्ट्रेलिया से अभी भी बहुत पीछे

करांची (एजेंसी)। गुरुवार को पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की वनडे सीरीज के पहले मैच में पाकिस्तानी टीम ने 5 विकेट से जबरदस्त जीत दर्ज की। इस जीत के साथ पाकिस्तान ने क्रिकेट की दुनिया मं अपने नाम एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। न्यूजीलैंड के खिलाफ जीत के साथ अब पाकिस्तान ने अंतर्राष्ट्रीय वनडे क्रिकेट में 500 जीत दर्ज कर ली हैं।

पाकिस्तानी टीम अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 500 वनडे जीत दर्ज करने वाली तीसरी टीम बनी है। अंतर्राष्ट्रीय वनडे में सबसे ज्यादा जीत हासिल करने का रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के नाम है, जिसने कुल 594 वनडे जीत अपने नाम दर्ज की है। वहीं इस लिस्ट में दूसरा नाम भारत का आता है। भारतीय टीम अब तक 539 वनडे अंतर्राष्ट्रीय जीत दर्ज कर चुकी है। इस लिस्ट में 411 जीत के साथ वेस्टइंडिज चौथे स्थान पर है।

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा वनडे जीत दर्ज करने वाली टीमें

1. ऑस्ट्रेलिया - 594 मैच
2. भारत - 539 मैच
3. पाकिस्तान - 500 मैच
4. वेस्टइंडीज - 411 मैच
5. साउथ अफ्रीका - 399 मैच

पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच मैच का हाल

पाकिस्तान-न्यूजीलैंड के बीच मैच की बात करें तो कीवी टीम टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी। पहले बल्लेबाजी करते हुए डेरिल मिचेल ने 113 और विल यंग ने 86 रनों की पारी खेली। इन दोनों बल्लेबाजों की शानदारी पारी के बदौलत न्यूजीलैंड ने 50 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 288 रन बनाए। पाकिस्तान की ओर से शाहीन अफरीदी, नसीम शाह और हारिस रऊफ तीनों गेंदबाजों ने 2-2 विकेट चटके। वहीं शादाब खान ने 1 विकेट हासिल की। न्यूजीलैंड द्वारा दिए गए विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान ने 48.3 ओवर 5 विकेट के नुकसान के साथ जीत दर्ज कर ली।

रुसलान के साथ वापसी कर रहे आयुष

अभिनेता आयुष शर्मा अब अपनी नवीनतम फिल्म रुसलान के साथ वापस आ गए हैं। इसका टीजर बीते दिनों रिलीज किया गया। टीजर में आयुष शर्मा को एक्शन अवतार में दिखाया गया है। टीजर को देखने से आयुष शर्मा की मेहनत साफ झलकती है। एक्शन अवतार में उन्होंने स्वयं को बखूबी पेश किया है। इस फिल्म का निर्देशन कात्यायन शिवपुरी ने किया है। सलमान खान के साथ आखिरी बार अन्तिम में नजर आए आयुष शर्मा रुसलान की वजह से सुर्खियों में हैं। आयुष ने इंस्टाग्राम पर लिखा, इंपेशेंट हूं, इंपल्सिव हूं और प्रोटोकॉल तो बिलकुल फॉलो नहीं करता हूं।

तभी तो रुसलान के नाम से जाना जाता हूं। आ रहा हूं हाथ में गन और गिटार लेकर क्योंकि इस बार गिटार भी बजेगा और गन भी टीज़र आउट! इस फिल्म का निर्माण केके राधामोहन द्वारा श्रीसत्यसाई कला बैनर के तहत किया गया है। इसमें आयुष शर्मा मुख्य भूमिका में हैं। कलाकारों में सुश्री मिश्रा और तेलुगु स्टार जगपति बाबू शामिल हैं।

रुसलान इस साल के अंत में स्क्रीन पर आएगी। बता दें कि वर्ष 2021 में प्रदर्शित हुई आयुष शर्मा अभिनीत फिल्म अन्तिम को दर्शकों ने अच्छी प्रतिक्रिया मिली थी। महेश मांजरेकर निर्देशित इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर सफलता प्राप्त करने के साथ ही आयुष शर्मा को सिने उद्योग में स्थापित करने में मदद की थी। अन्तिम में सलमान खान अपने विस्तारित कैमियो में दिखाई दिए थे। कहने को यह कैमियो था लेकिन दर्शकों का कहना था कि यह दो नायकों की फिल्म थी, जिसे आयुष शर्मा के नाम पर दर्शकों के सामने लाया गया।

मिथुन ने 'शेर दिल' इंसान बताया

मशहूर एक्टर मिथुन चक्रवर्ती ने कहा-सलमान बड़े भाई की तरह मेरी इज्जत करते हैं और जब हम एक-दूसरे से मिलते हैं तो हमें काफी मजा आता है। हाल ही में अपने छोटे बेटे नमाशी चक्रवर्ती की फिल्म की शुरुआत के साथ फिर से चर्चा में हैं।

एक्टर ने सलमान खान के साथ अपने बॉन्ड के बारे में बात की। मिथुन चक्रवर्ती और सलमान खान की दोस्ती के बारे में हर कोई जानता हैं। इन्हे कई रियलीटी शोज पर अक्सर हंसी मजाक करते देखा गया है। उन्होने एक साथ कई फिल्मों में काम किया है। लेकिन अब मिथुन ने कुछ ऐसा बोल दिया है जिसे सुनकर सलमान हैरान हो जाएंगे।

उन्होंने बताया कि उस वक्त उनका रिएक्शन कैसा था जब उन्हें पता चला था कि सलमान फेमस स्क्रिप्ट राइटर सलीम खान के बेटे हैं। मिथुन ने हाल ही में एक इंटरव्यू में सलमान संग अपने रिश्ते को लेकर बात की है और उन्हें 'शेर दिल' बताया है। मिथुन चक्रवर्ती ने खान परिवार और खास तौर पर सलीम खान के साथ अपने बंधन के बारे में बात की। उन्होंने कहा, 'मेरे लिए संघर्ष करने वाले सलीम जी हैं। एक बार उन्होंने मेरी तरफ देखा और मुझसे कहा, तुम्हारे चेहरे पर ऐसा आकर्षण है, तुम अभिनेता क्यों नहीं बन जाते?

उन्होंने मुझे फिल्म में लेने की बहुत कोशिश की, लेकिन उस समय नियति ने मेरा साथ नहीं दिया। मैं सलीम जी के सामने कभी सिर नहीं उठा सकता। मिथुन ने आगे कहा,हम बहुत सारे राज एक दूसरे से शेयर करते हैं। वह कभी-कभी चालाकी से काम लेता है, लेकिन वह नहीं जानता कि अगर मैं अपना मुंह खोलूंगा तो क्या होगा? लोग उसे सिर्फ गलत समझते हैं लेकिन वह एक शेर दिल इंसान है। मिथुन ने कहा-सलमान बड़े भाई की तरह मेरी इज्जत करते हैं और जब हम एक-दूसरे से मिलते हैं तो हमें काफी मजा आता है।

दिलजीत दोसांझ पर लगा भारतीय तिरंगे का अपमान करने का आरोप, एक्टर ने दी सफाई

द केरला स्टोरी का ट्रेलर 26 अप्रैल को रिलीज़ हुआ और इसने प्रतिक्रियाओं और विवादों को जन्म दिया। विपुल अमृतलाल शाह की फिल्म का उद्देश्य यह कहानी बताना है कि कैसे भारतीय राज्य केरल की महिलाओं को बरगलाया गया और सीरिया के संघर्ष क्षेत्र में इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड सीरिया में ले जाया गया। फिल्म विशेष रूप से कुछ मामलों को दिखाती है कि किस तरह आईएसआईएस द्वारा सीरिया में 32,000 महिलाओं को लुभाने के लिए 'लव जिहाद' का इस्तेमाल किया गया था। इसके अलावा पंजाबी सिंगर दिलजीत दोसांझ ने हाल ही में कैलीफोर्निया के कोचेला वैली म्यूजिक एंड आर्ट्स फेस्टिवल में परफॉर्म किया। दिलजीत पहले ऐसे भारतीय सिंगर हैं, जिन्होंने कोचेला वैली म्यूजिक फेस्टिवल में परफॉर्म किया। करीब 10 साल से चल रहे एक्ट्रेस के सुसाइड मामले में सीबीआई की विशेष अदालत शुक्रवार (28 अप्रैल) को फैसला सुना सकती है। पिछले हफ्ते सीबीआई के विशेष न्यायाधीश एएस सैय्यद ने दोनों पक्षों की अंतिम दलीलें सुनीं और मामले में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। 3 जून 2013 को जिया खान, जो एक अमेरिकी नागरिक थी- जुहू, मुंबई में अपने अपार्टमेंट में पंखें से लटकी पाई गई थी।

निकिता रावल ने अपने फिटनेस रूटीन का किया खुलासा

फिटनेस के प्रति उत्साही, निकिता रावल हमेशा ऐसे कई लोगों के लिए प्रेरणा रही हैं जो एक स्वस्थ जीवन शैली का नेतृत्व करने की इच्छा रखते हैं। उनकी फिटनेस दिनचर्या में योग, ध्यान और स्वस्थ आहार का संयोजन शामिल है, जो उन्हें अपने संपूर्ण शरीर को बनाए रखने में मदद करता है।

निकिता रावल एक स्वस्थ जीवन शैली का नेतृत्व करने और अपने प्रशंसकों को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित करने में विश्वास करती हैं। उनके शानदार अभिनय के अलावा, दूसरी चीज जिस ने लोगों का बहुत ध्यान खींचा है, वह है उनकी शानदार काया और फिटनेस।

निकिता रावल ने कहा कि मैं व्यायाम करने के लिए एकदम समयनिष्ठ हूं, मेरा वर्कआउट मिश्रित है - मुक्तहस्त, भारी भारोत्तोलन और कुछ योग।

निकिता ने अपने फिटनेस मंत्र के बारे में बात करते हुए कहा, एक वांछनीय शरीर और वजन बनाए रखने के लिए मेरे कुछ चुने हुए तरीके है नियमित रूप से व्यायाम करना, व्यायाम के नए और विभिन्न रूपों की कोशिश करना और मेरे शरीर की आवश्यकताओं के लिए उपयुक्त एक विशेष आहार अपनाए रखना।

'गरम मसाला' की अभिनेत्री अपने फिटनेस लक्ष्यों को हासिल करने में कोई कसर नहीं छोड़ती हैं। उनका प्रशिक्षण प्रेरणादायक, प्राप्त करने योग्य है, और यह कई लोगों को उनके जैसा बनने के लिए प्रेरित करता है।

निकिता रावल रोजाना जिम जाती है और अपने ट्रेनर के साथ कठोर वर्कआउट शेड्यूल में व्यस्त रहती है। हर दिन वर्कआउट करना उनके लिए बहुत जरूरी है, और उनका प्रशिक्षण अक्सर एक एथलीट के समान होता है।

आर्या के तीसरे सीजन की शूटिंग जयपुर में शुरू

वेब सीरीज आर्या के तीसरे सीजन की शूटिंग एक्ट्रेस सुष्मिता सेन ने जयपुर में शुरू कर दी है। सीरीज के सह-निर्देशक और शो के सह-निर्माता राम माधवानी ने कहा, रुकावटें हमें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती हैं और हमारी आर्या सुष्मिता ने हमें सिखाया है कि कैसे साहस और शक्ति से इन्हें दूर किया जा सकता है। आर्या सीजन 3 के लिए सफर फिर से शुरू हो गया हैं। राम माधवानी दर्शकों के लिए एक दिलचस्प कहानी, पावर-पैक परफॉर्मेंस और शेरनी जैसी ताकतवर आर्य को नए रुप में लेकर आ रहे है, जो लोगों के दिलों पर छाप छोड़ेगी। यह शो आर्या की जर्नी को फॉलो करता है, एक महिला जो अपने पति की हत्या के बाद खुद को अपराध की दुनिया में पाती है। सीरीज में सुष्मिता मुख्य भूमिका में हैं। उन्होंने पिछले सीजन में अपने परफॉर्मेंस से दर्शकों को दिल जीत लिया था।

योग कक्षाएं और परिवार के साथ समय बीता रही इशिता

प्रेग्नेंसी के दौरान एक्ट्रेस इशिता दत्ता योग कक्षाएं और परिवार और दोस्तों के साथ समय बिताकर खुद को व्यस्त रख रही हैं। इस बारे में बात करते हुए इशिता ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो मेरे जीवन का यह नया चरण बहुत सुंदर, दिलचस्प और अलग रहा है। सबसे अच्छी बात किक महसूस करना है..मैंने हमेशा इसके बारे में सुना था लेकिन मुझे लगता है कि जब आप खुद इसे महसूस करती हैं तभी आपको एहसास होता है कि यह कितना खूबसूरत है। यह ज्यादातर रात में होता है, इसलिए मुझे आमतौर पर ज्यादा नींद नहीं आती है क्योंकि छोटे को रात में सोना पसंद नहीं है। इशिता को एक घर बनाऊंगा, बेपनाह प्यार और थोड़ा सा बादल थोड़ा सा पानी में उनके रोल के लिए भी जाना जाता है। उन बदलावों के बारे में बात करते हुए, जो वह देख रही हैं, अभिनेत्री ने कहा- कई चीजें हैं.. मेरा शरीर बदल रहा है, मेरी पसंद और नापसंद बदल रही है। जो चीजें मुझे पसंद थीं, वह अब मुझे पसंद नहीं हैं..मैं जीवन में नई चीजों की कोशिश कर रही हूं।

उतरन में एक्टिंग करने के बाद टीना हुई मशहूर

छोटे परदे के शो उतरन में एक्टिंग करने के बाद टीना घर-घर में अपने किरदार इच्छा के नाम से मशहूर हो गई। टीना का किरदार एक नौकरानी की बेटी का था और उसकी सबसे अच्छी दोस्त उसकी मां के मालिक की बेटी थी। इस बारे में बात करते हुए कि क्या सोशल मैसेज पर शो और सास-बहू नाटकों के सुर्खियों में आने के बाद दर्शक छोटे पर्दे पर नई शैलियों की तलाश कर रहे हैं, इस पर टीना ने कहा, मुझे लगता है कि लोग नए जोनर की तलाश कर रहे हैं क्योंकि आप एक ही चीज को टेलीविजन पर कितना देख सकते हैं? हम सभी समय के साथ आगे बढ़ते हैं और नई चीजों को अपनाते हैं और लोग नई चीजें देखना पसंद करते हैं। हम रहे न रहे हम की कहानी फ्रेश स्टोरी है। बदलाव ही एकमात्र ऐसी चीज है जो निरंतर है और दर्शक भी स्क्रीन पर उस एलिमेंट को देखने के लिए इस तरह के एक ताजा वाइब का इंतजार कर रहे हैं।